संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 08
पृष्ठ 8
मंगलवार
24 सितम्बर 2024
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com   सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सुबह उठते ही करते हैं ये...   विचार- राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत समापन...   खेल- रतन टाटा की उत्तराधिकारी हैं ये महिला...

हम बंटे थे तो कटे थे, इसलिए 500 वर्ष तक अयोध्या में इंतजार करना पड़ा : योगी आदित्यनाथ

- सीएम योगी ने मीरजापुर में 765 करोड़ की 127 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब अयोध्या धाम भी जगमगा रहा है। भगवान रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण हो चुका है, लेकिन ऐसी स्थिति क्यों हुई कि अयोध्या में पांच सौ वर्ष तक इंतजार करना पड़ा। प्रभु रामलला के भव्य मंदिर को तोड़कर आक्रांताओं ने क्यों गुलामी का ढांचा खड़ा कर दिया था। उसका कारण एक ही है, हम बंटे थे, इसलिए कटे थे। बंटिए मत, बल्कि एकजुट होकर विकास व सुरक्षा के माहौल में आगे बढ़िए। डबल इंजन की सरकार हर सुखदुख में आमजन के साथ खड़ी होकर वर्तमान को सुधारेगी और भविष्य को भी उज्ज्वल बनाने की प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मीरजापुर के गोपालपुर, विकासखंड पहाड़ी में 765 करोड़ की 127 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण–शिलान्यास किया। कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत 1500 से अधिक युवाओं को स्मार्टफोन व टैबलेट वितरित किये गए। साथ ही सीएम ने मत्स्य आहार प्लांट की स्थापना के लिए पहली किस्त के रूप में लगभग चार करोड़ का चेक भी प्रदान किया। सीएम ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को भी सम्मानित करते हुए विद्या शक्ति पोर्टल का भी बटन दबाकर शुभारंभ किया। सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले माफिया समानांतर सरकार चलाते थे। खनन, पशु, संगठित अपराध, भूमाफिया हावी थे। जब उनका काफिला निकलता था तो सामान्य जनप्रतिनिधि सहम जाते थे, प्रशासन सैल्यूट करता था। कोई माफिया पर हाथ डालने की हिम्मत कोई नहीं करता था, लेकिन आज माफिया गिड़गिड़ा रहे हैं कि जान बख्श दो, ठेली लगाकर पेट भर लेंगे, लेकिन किसी को छेड़ेंगे नहीं। अब बेटी–व्यापारी की सुरक्षा से खिलवाड़, किसान की जमीन पर कब्जा, गरीब की झोपड़ी को उजाड़ने का दुस्साहस कोई नहीं कर सकता। सीएम ने निशाना साधते हुए कहा कि जाति का नंगा खेल खेलने वाले लोग माफिया व दुर्दांत अपराधियों, दंगाइयों के सामने नाक रगड़ते थे। आज जब प्रदेश की विकास की नई धारा के साथ बढ़ रहा है तो यह फिर से बैरियर बनकर खड़ा होना चाहते हैं। ऐसे लोग वर्तमान के साथ भावी पीढ़ी के भविष्य के साथ भी खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे माफिया को फिर से सिर उठाने का अवसर न मिल पाए। सीएम योगी ने कहा कि दस वर्ष पहले मीरजापुर जनपद में कनेक्टिविटी का अभाव था, गरीबों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता था। मां विंध्यवासिनी धाम के पवित्र मंदिर व त्रिकोण के रूप में विख्यात शक्तिपीठों की क्या स्थिति थी। सड़कों के क्या हालात थे। गुंडाराज व माफियाराज किसी से छिपा नहीं है। दस वर्ष में बदलते भारत, साढ़े सात वर्ष में उत्तर प्रदेश व मीरजापुर को सभी ने देखा होगा। अब मीरजापुर जनपद भी किसी के सामने हाथ नहीं फैलाएगा, क्योंकि मां विंध्यवासिनी का पावन धाम दिव्य–भव्य रूप ले चुका है। इससे पहले योजनाओं को देने में भेदभाव होता था, लेकिन हमने जाति–खेमे के आधार पर बांटने का प्रयास नहीं किया। सीएम ने कहा कि पांच वर्ष पहले मां विंध्यवासिनी धाम की गलियां संकरी थीं। नवरात्रि के दौरान भय लगता था, लेकिन तीन अक्टूबर से प्रारंभ होने वाले नवरात्रि में दिव्य–भव्य धाम के दर्शन होंगे। पिछली सरकारों ने यही काम किया होता तो जनआस्था को सम्मान मिलता। अब मीरजापुर के पास भी मेडिकल कॉलेज है, वरना बीएचयू व प्रयागराज के बीच में कुछ भी नहीं था। यहां मां विंध्यवासिनी के नाम पर विश्वविद्यालय भी बनने जा रहा है। अगले सत्र में पाठ्यक्रम भी प्रारंभ होगा। जनपद फोरलेन की कनेक्टिविटी से जुड़ गया है। सीएम योगी ने बताया कि बाढ़ सागर परियोजना का लोकार्पण करते हुए पीएम ने कहा था कि ढाई लाख हेक्टेयर भूमि को इससे सिंचाई की सुविधा मिलेगी, जिससे किसानों को लाभ होगा। हमारे सामने विंध्य क्षेत्र में पेयजल संकट दूर करने की चुनौती थी। जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल की योजना पीएम के इसी विजन का परिणाम है। जिस दिन यह योजना पूरी तरह धरातल पर उतरेगी, उस दिन न सिर्फ शुद्ध पेयजल की समस्या का समाधान होगा, बल्कि अनेक बीमारियों से भी मुक्ति मिलेगी। सोनभद्र मेडिकल कॉलेज में इस सत्र से प्रवेश प्रारंभ हो चुके हैं। मीरजापुर मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग की पढ़ाई प्रारंभ होगी। बेटियों को कहीं और नहीं जाना पड़ेगा। 100 फीसदी प्लेसमेंट की गारंटी है। यदि बेटी पढ़ेगी तो आगे बढ़ेगी। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी किसी देश में जाते हैं तो पलक पांवड़े बिछाकर स्वागत होता है, क्योंकि उनका हर काम देश के नाम होता है। इस क्षेत्र के बहुत सारे लोग ऐसे हैं, जिन्हें योजनाओं से वंचित किया गया था। हमारी सरकार ने कोल, चेरो, गौड़ या नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्र में थारू जनजाति को योजनाओं को जोड़ने का कार्य किया। यूपी में दो करोड़ युवाओं को स्मार्टफोन व टैबलेट दे रहे हैं। वे तकनीकी दक्षता के माध्यम से देश को लाभ देंगे तो भारत पांच ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनने की दिशा में अग्रसर होगा। सीएम योगी ने कहा कि साढ़े सात वर्ष में 56 लाख गरीबों को आवास, 2.62 करोड़ गरीबों को शौचालय दिया गया। हर ग्राम पंचायत में ग्राम सचिवालय का निर्माण कर कंप्यूटर ऑपरेटर के रूप में कर्मचारी को तैनात किया गया। इससे ग्रामीणों को गांव में ही ऑनलाइन सुविधाएं मिल गईं। साढ़े छह लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी मिली। सुदृढ़ कानून व्यवस्था के कारण यूपी में 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए हैं। सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार निर्णय करने जा रही है कि जो भी युवा स्टार्टअप, बिजनेस प्रारंभ करना चाहते हैं। वे अभी से नामांकन कराएंगे। सरकार कुछ वर्ष में पहले चरण में पांच लाख, दूसरे चरण में 10 लाख रुपये ब्याज मुक्त ऋण देगी। सीएम योगी ने कहा कि कुछ दिन बाद भदोही के एक्सपो मार्ट में प्रदर्शनी लगने जा रही है। हमारे हस्तशिल्पी–कारीगरों को कॉरपेट डिस्प्ले व नए ऑर्डर का अवसर प्राप्त होगा। 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में इंटरनेशनल ट्रेड शो होने जा रहा है। उसमें मीरजापुर–भदोही के कॉरपेट को भी स्थान मिला है। यहां के उत्पाद को दुनिया के सामने शोकेस का अवसर देंगे। यहां का उत्पाद एक्सपोर्ट होता है तो वह कई गुना मुनाफा पाएगा।

राहुल गांधी का केंद्र पर वार, बोले-
एलजी के रूप में यहां राजा बैठा है

- जम्मू–कश्मीर से मेरा खून का रिश्ता

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू और कश्मीर के श्रीनगर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने केंद्र पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि आपको जल्द से जल्द अपना राज्य का दर्जा वापस मिले। हम सबसे पहले भाजपा पर आपका राज्य का दर्जा वापस देने के लिए दबाव डालेंगे, अगर वे आपको यह नहीं देते हैं तो मैं आपको गारंटी देता हूं कि हम आपको आपका राज्य का दर्जा वापस देंगे क्योंकि यह आपका अधिकार है, आपका लोकतांत्रिक अधिकार है और आपको इसे उन्हें देना होगा। केंद्र पर वार करते हुए राहुल ने कहा कि उन्होंने यहां एक राजा बना दिया है। उपराज्यपाल राजा हैं, वह बाहरी व्यक्ति हैं और जम्मू–कश्मीर से नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर के लोग जो विकास चाहते हैं, ये व्यक्ति वो नहीं कर सकता। उसे पता नहीं है कि यह कैसे करना है। उन्होंने कहा कि भारत में संघ शासित प्रदेशों को राज्य बनाया गया। राज्यों का विभाजन कर दिया गया। मध्य प्रदेश को विभाजित करके छत्तीसगढ़ बनाया गया, बिहार को विभाजित करके झारखंड बनाया गया, और आंध्र प्रदेश को विभाजित करके तेलंगाना बनाया गया। लेकिन, भारत के इतिहास में कभी किसी राज्य को यूटी नहीं बनाया गया। उन्होंने बार–बार कहा कि पहली बार राज्य के लोगों के अधिकार छीन कर उसे यूटी बना दिया गया हो। आपके साथ अन्याय हुआ है, आपके लोकतांत्रिक अधिकार छीन लिए गए हैं और मैं चाहता हूं कि आपको जल्द से जल्द राज्य का दर्जा मिले।

लाभ के लिए बच्चों से जुड़ी पोर्नोग्राफी देखना, रखना पोक्सो के तहत अपराध : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को मद्रास उच्च न्यायालय के एक फैसले को पलटते हुए कहा कि लाभ के इरादे से डिजिटल उपकरणों में बच्चों से जुड़ी पोर्नोग्राफी देखना और संग्रहित करना यौन अपराध आल संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के तहत अपराध हो सकता है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने एनजीओ श्जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन अलायंसश की अपील और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के हस्तक्षेप पर उच्च न्यायालय के एक फैसले को पलटने वाला यह ऐतिहासिक फैसला सुनाया।

मोदी ने शीर्ष प्रौद्योगिकी सीईओ से मुलाकात की

न्यूयॉर्क/नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूयॉर्क में एक गोलमेज सम्मेलन में एडोब, एक्सेंचर, गूगल और आईबीएम समेत 15 प्रौद्योगिकी सीईओज से मुलाकात की तथा प्रौद्योगिकी एवं नवाचार से संबंधित पहलुओं पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने एक्स पर

एक पोस्ट में कहा कि वह भारत के प्रति अपार आशावाद देखकर प्रसन्न हैं। उन्होंने पोस्ट में कहा न्यूयॉर्क में प्रौद्योगिकी सीईओज के साथ एक फलदायी गोलमेज सम्मेलन हुआ, जिसमें प्रौद्योगिकी, नवाचार और अन्य से संबंधित पहलुओं पर चर्चा की गई। साथ ही इस क्षेत्र में भारत द्वारा की गई प्रगति पर प्रकाश डाला गया। मैं भारत के प्रति अपार आशावाद देखकर प्रसन्न हूं। एक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री ने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी), स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग द्वारा आयोजित गोलमेज सम्मेलन में प्रौद्योगिकी उद्योग के नेताओं के साथ न्यूयॉर्क में बातचीत की। प्रौद्योगिकी–गोलमेज सम्मेलन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम; जैव प्रौद्योगिकी और जीवन विज्ञान; कंप्यूटिंग, आईटी और संचार; और सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। सीईओज ने श्री मोदी के साथ वैश्विक स्तर पर विकसित हो रहे प्रौद्योगिकी परिदृश्य और किस तरह से ये अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां भारत सहित दुनिया भर के लोगों की भलाई में योगदान दे रही हैं इस पर गहन चर्चा की। उन्होंने इस बात पर भी चर्चा की कि किस तरह से प्रौद्योगिकी का उपयोग नवाचारों के लिए किया जा रहा है जिसमें वैश्विक अर्थव्यवस्था और मानव विकास में क्रांति लाने की क्षमता है।

हरियाणा में कांग्रेस पर बरसे अमित शाह, बोले-
हुड्डा साहब की सरकार में डीलरों और दामाद का था दबदबा

हरियाणा, एजेंसी। हरियाणा में चुनावी प्रचार तेज होता दिखाई दे रहा है। अपनी सत्ता बचाने के लिए भाजपा पूरी ताकत लगा रही है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने भाजपा के लिए आज टोहाना में चुनाव प्रचार किया। शाह ने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस दलित विरोधी है। उन्होंने कहा कि भाजपा कैसे शासन करती है, उसका सबसे अच्छा उदाहरण हमारा ये हरियाणा है। हरियाणा में पहले दो दलों की सरकारें आती थी और जाती थी। उन्होंने कहा कि एक दल आता था तो भ्रष्टाचार बढ़ता था और दूसरा आता था तो गुंडागर्दी बढ़ती थी। दोनों में परिवरवाद और जातिवाद चरम सीमा पर था। पहली बार भाजपा ने पूरे हरियाणा की सरकार बनाई है। शाह ने कहा कि भाजपा की सरकार आने से पहले यहां खर्ची–पर्ची के बिना नौकरी नहीं मिलती थी। लेकिन भाजपा ने हजारों युवाओं को बिना खर्ची–पर्ची के पूरी पारदर्शिता के साथ भर्ती की है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस, दलित विरोधी पार्टी है। कांग्रेस के समय में यहां 2005 में गोहाना कांड हुआ, 2010 में मिर्चपुर कांड हुआ। कांग्रेस ने 'Not Found Suitable' करके नौकरी के आरक्षण से लोगों को वंचित रखने का काम किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस ने हमेशा दलित नेताओं का अपमान करने के काम किया। चाहे अशोक तंवर हो या बहन कुमारी शैलजा हो, इन सबका अपमान कांग्रेस ने किया है। भाजपा नेता ने कहा कि जब तक कांग्रेस की सरकार नहीं गई, तब तक बाबा साहेब अंबेडकर को भारत रत्न नहीं मिला।

छात्रों के जीवन में प्रसन्नता उतनी ही महत्त्वपूर्ण जितनी शिक्षा, संघर्ष से पीछे न हटें

प्रयागराज। गीता में कहा गया है कि अंतः करण की प्रसन्नता होने पर संपूर्ण दुखों का अभाव हो जाता है और उस प्रसन्नचित वाले कर्मयोगी की बुद्धि शीघ्र ही सब ओर से हटकर एक परमात्मा में भली भांति स्थिर हो जाती है। मनुष्य के लिए प्रसन्नता अति आवश्यक है। प्रसन्नता मन की एक अवस्था है, जिससे जीवन के सतत रहने का अहसास होता है। यह संसार मायापूर्ण है और दुखों का सागर है। अतः यह अतिआवश्यक है कि मन को स्थिर करके उन बातों में लगाया जाए जो हमे प्रसन्नता प्रदान करें। चित्त स्थिर है तो हृदय में आनंद उठता है और यही प्रसन्नता का भाव देता है। दक्षिण अफ्रीका के डरबन में स्थित चिन्मया आश्रम में सेवाएं दे रहे स्वामी अभेदानंद गंगा गुरुकुलम स्कूल में सोमवार को बच्चों को तनाव रहित रहने के लिए आयोजित कार्यशाला में बोल रहे थे। स्वामीजी ने कहा कि छात्रों के लिए प्रसन्नता उतनी ही महत्त्वपूर्ण है जितना उसकी शिक्षा। क्योंकि एक प्रसन्नचित छात्र ही पूर्ण मनोयोग से शिक्षा ग्रहण कर सकता है। वर्तमान युग में यदि सबसे तनाव में कोई है तो वो हमारे छात्र हैं। एक दुखी, परेशान और तनावग्रस्त छात्र जीवन संघर्ष में हार जाता है। छात्र जीवन में प्रसन्नता के इसी महत्त्व को समझते हुए गंगा गुरुकुलम विद्यालय में सोमवार को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका विषय था जीवन में प्रसन्न कैसे रहा जाए। स्वामी अभेदानंद जी ने इस कार्यशाला में अपने प्रेरित वचनों से छात्रों को लाभान्वित किया। वर्तमान में स्वामी जी दक्षिण अफ्रीका के डरबन में स्थित चिन्मया मिशन में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। स्वामी जी ने युवाओं के लिए एक पुस्तक की भी रचना की जिसका नाम ष्चिन्मय उद्घोष है। स्वामी अभेदानन्द जी द्वारा लिखित कई लेख भी प्रकाशित हुए हैं जो छात्रों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। विद्यालय की सचिव कृष्णा गुप्ता और विद्यालय के कोषाध्यक्ष रविन्द्र गुप्ता कार्यशाला में उपस्थित रहे। पतंजलि ऋषिकुल के प्रधानाचार्य नित्यानंद एवम चिन्मया मिशन के सदस्यों ने भी इस कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला का प्रारंभ दीप प्रज्वलन व संस्कृत में एक प्रेरणा गीत के साथ हुआ। इस कार्यशाला में कक्षा 11 व 12 के बच्चों ने भाग लिया। स्वामी जी ने कहा कि प्रसन्नचित व्यक्ति आत्मविश्वासी होता है। वह कर्म से विमुख नहीं होता। जीवन संघर्ष से घबराता नहीं है। यदि आप प्रसन्न नहीं रहना चाहते हैं तो कोई भी आपको प्रसन्न नहीं कर सकता। प्रसन्न रहना हमारे हाथ में है। कहा कि जैसे ईश्वर हर जगह है और ईश्वर प्रसन्नता प्रदान करते हैं तो प्रसन्नता हर जगह है। अपने जीवन में प्रसन्नता के क्षण को पहचानो। मुश्किल में भी प्रसन्न रहने के अवसर खोजो। उन्होंने प्रसन्न रहने की विविध कार्य प्रणाली को भी समझाया। योग करना, ध्यान करना, सत्संग करना, मन को रचनात्मक कार्य में लगाना, श्रेष्ठ पुस्तकों का पठन, मन को संयमित रखना आदि। मात–पिता का आदर करो। उन्हें खुशी प्रदान करने का प्रयास करो। उन्होंने कहा सफलता ही खुशी नहीं और असफलता दुख नहीं है। प्रत्येक दिन अच्छा है। छात्रों ने स्वामी जी से अपने मन में उठ रही जिज्ञासाओं को शांत करने तथा प्रसन्नता विषय पर और जानकारी प्राप्त करने के लिए विविध प्रश्न पूछे। जिसका उत्तर भी स्वामी जी ने दिया।

प्रयागराज में सपाइयों का अनोखा प्रदर्शन : डीएम को गाय दान करने जा रहे पशुपालकों की पुलिस से तीखी नोकझोंक

प्रयागराज। पशुओं को शहर के बाहर करने के जिला प्रशासन और नगर निगम प्रशासन के फरमान के खिलाफ पशु पालकों ने

सपा नेता संदीप यादव के नेतृत्व में अनोखा प्रदर्शन किया। गाय और भैंस के गले में नारे लिखीं तख्तियां लेकर पशु पालकों ने प्रदर्शन किया। डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को गाय दान करने जा रहे पशु पालकों की जार्जटाउन के पास पुलिस से तीखी नोकझोंक हो गई। पुलिस ने कई सपा नेताओं को हिरासत में ले लिया है। सपा नेता संदीप यादव ने कहा कि शहर में पशुपालकों का उत्पीड़न किया जा रहा है। महाकुंभ मेला और स्मार्ट सिटी के नाम पर पशुपालकों पर अत्याचार हो रहा है। गाय और भैंस को शहर के बाहर किया जा रहा। पशुओं को पकड़ लिया जाता है और मनमाना पैसा लेकर फिर छोड़ा जाता है। कहा कि इस शहर में कुत्ता, बिल्ली पालन का लाइसेंस दिया जा रहा है लेकिन गाय पालने के लिए लाइसेंस नहीं दिया जाता है। भाजपा गाय के नाम पर वोट तो मांगती है लेकिन गाय पालन वालों का उत्पीड़न कर रही है। इसलिए पशुपालकों ने डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को गाय दान करने का फैसला किया है। इसके अलावा पशु पालकों के पास कोई विकल्प नहीं बचा है।

उच्च शिक्षा निदेशालय के एक सहायक निदेशक हटाए गए

प्रयागराज। उच्च शिक्षा निदेशालय में अनियमित तरीके से तैनात चार में से एक सहायक निदेशक को हटा दिया गया है। आपके अपने समाचार हिन्दुस्तान ने बीते मंगलवार को श्सहायक निदेशक के तीन पद, चार अफसरों की तैनातीश शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया था। इसका संज्ञान लेते हुए 25 जून को यहां सहायक निदेशक के पद पर भेजे गए डॉ. केशरीनंदन मिश्र को राजकीय महाविद्यालय रानीगंज प्रतापगढ़ में प्रोफेसर इतिहास विषय के पद पर स्थानान्तरित कर दिया गया है। उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव गिरिजेश त्यागी की ओर से इस संबंध में सोमवार को आदेश जारी किया गया। मजे की बात है सहायक निदेशक के पद पर पिछले सात सालों से तैनात बीएल शर्मा को बरकरार रखा गया है जबकि एक पद पर अधिकतम तीन साल तक तैनाती का ही नियम है।

नवंबर से बनना शुरू होगी सौ किमी लंबी फौलाद की सड़क

प्रयागराज। महाकुम्भ के अंतर्गत मेला क्षेत्र में फाफामऊ से लेकर छतनाग के बीच करीब सौ किमी लंबी चकर्ड प्लेट की सड़क बनाने का काम नवंबर से शुरू किया जाएगा। अभी तक 30 पांटून पुलों में से 16 पुल के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। बाकी बचे हुए 14 पुलों के निर्माण के लिए विभाग की ओर से 23 सितंबर को टेंडर खोला जाएगा। बाढ़ की स्थिति पर निगरानी के लिए जिन पुलों के लिए टेंडर पूरा कर लिया गया है, उसके लिए मुख्य अभियंता ने फर्मों के साथ ही विभागीय अधिकारियों को मेला क्षेत्र में नजर बनाए रखने का निर्देश दिया है। मेला क्षेत्र में अभी बाढ़ का पानी लगा हुआ है। इसकी वजह से पांटून पुल का कार्य नहीं शुरू कराया जा सका है। इसकी वजह से विभाग की तैयारियां पिछड़ती जा रही हैं, लेकिन पांटून कार्यशाला में पांटून तैयार किया जा चुका है। पुलों के निर्माण में डेढ़ लाख चकर्ड प्लेट लगाई जानी हैं, जो मंगवाई जा चुकी है। जबकि पुल में लगाए जाने वाले 3300 पीपों में से आधे से अधिक पीपे बनकर तैयार किए चुके हैं। जहां विभाग की ओर से तैयारियां तेजी से की जा रही हैं वहीं पानी उतरने का इंतजार अधिकारी कर रहे हैं। निर्माण खंड चार कुम्भ मेला के अधिशाषी अभियंता सुरेंद्र सिंह ने बताया कि बाकी पुलों के निर्माण के लिए 23 सितंबर को फिर से टेंडर निकाला जाएगा। कई फर्मों ने इसके लिए संपर्क किया है। बाढ़ का पानी उतरने और जमीन को सुखाने व समतल करने में कम से कम एक महीने का समय लग जाएगा। नवंबर से युद्ध स्तर पर कार्य शुरू कराया जाएगा।

रेलवे स्टेशनों पर पहली बार 15 भाषाओं में होगा एनाउंसमेंट, एनसीआर प्रशासन कर रहा इंतजाम

प्रयागराज। महाकुंभ में देश के तमाम प्रांतों से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के समक्ष भाषा का संकट न आए इसके लिए उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन एक खास इंतजाम करने जा रहा है। देश में पहली बार प्रयागराज में रेलवे हिंदी, अंग्रेजी ही नहीं बल्कि 15 प्रमुख भाषाओं में एनाउंसमेंट करवाएगा। यह व्यवस्था प्रयागराज जंक्शन के साथ संगम क्षेत्र में रेलवे द्वारा बनाए जाने वाले शिविरों में भी की जा रही है। महाकुंभ के दौरान देश और विदेश में रहने वाले लाखों श्रद्धालुओं का आवागमन ट्रेनों के माध्यम से होना है। इसमें काफी संख्या में ऐसे श्रद्धालु भी होंगे जो तमिलनाड़, केरल, कर्नाटक, तेलगांना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, असम आदि राज्यों से आएंगे। प्रयागराज हिंदी भाषी क्षेत्र है। ऐसे में दूसरे राज्यों से आने वाले यात्रियों के समक्ष भाषा का संकट न आए उसके लिए उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल ने महाकुंभ के दौरान पहली बार संगम नगरी के रेलवे स्टेशनों पर हिंदी, अंग्रेजी समेत तमाम प्रांतों में बोली जाने वाली 15 भाषाओं में एनाउंसमेंट कराने की तैयारी की है। हालांकि, भाषाओं की संख्या बढ़ाई भी जा सकती है। कई भाषाओं में एनाउंसमेंट के लिए रेलवे एक सॉफ्टवेयर भी तैयार कर रहा है। इसकी मदद से प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी आदि रेलवे स्टेशनों पर हिंदी, अंग्रेजी के साथ कोंकणी, गुजराती, बंगाली, ओड़िआ, असमिया, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़, पंजाबी, मणिपुरी, मराठी आदि भाषाओं में भी एनाउंसमेंट हो सकेगा। इससे दूसरे प्रांतों से आने वाले यात्रियों को खासी सुविधा मिलेगी। रेलवे द्वारा यह सुविधा मेला क्षेत्र में बनाए जाने वाले शिविरों में भी दी जाएगी। यहां बनाए जाने वाले दोनों शिविरों में 15 भाषाओं में एनाउंसमेंट होगा। प्रयागराज मंडल के डीआरएम हिमांशु बडोनी का कहना है कि यात्री सुविधा के मद्देनजर इस बार महाकुंभ के लिए काफी नए इंतजाम किए जा रहे हैं। कई भाषाओं में एनाउंसमेंट कराने की भी तैयारी है।

कानपुर से परीक्षा देने आई नर्सिंग की छात्रा से दुष्कर्म, अश्लील वीडियो बनाकर मांगे दस लाख, एफआईआर

प्रयागराज। कानपुर से आई 24 वर्षीय नर्सिंग छात्रा को कैंट ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। आरोपी ने अश्लील वीडियो भी बनाया और डिलीट करने के बहाने से गाजियाबाद ले जाकर जबरन शादी कर ली। अब 10 लाख रुपये न देने पर वीडियो फेसबुक व यूट्यूब पर डालने की धमकी दे रहा है। विधनू थाना पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर मुकदमा कैंट थाने में स्थानांतरित कर दिया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसके गांव में किराये पर

कमरा लेकर दीप सचान निवासी बम्हौरी पोस्ट व थाना सजेती तहसील घाटमपुर, कानपुर नगर रहता था। मई में वह परीक्षा देने प्रयागराज आ रही थी। इसका पता चलने पर दीप ने कहा कि प्रयागराज में उसे भी काम है, ऐसे में साथ चलते हैं। आरोप है कि यहां आने के बाद शंभू बैरिक में ले जाकर कोल्ड ड्रिंक व पानी में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया और उससे दुष्कर्म किया। इसका वीडियो बना लिया और फिर इसे दिखाकर ब्लैकमेल कर दुष्कर्म करता रहा। वीडियो डिलीट करने के बहाने धोखे से गाजियाबाद ले गया और वहां धमकाकर आर्य समाज मंदिर, कवि नगर गाजियाबाद में नौ जून को शादी कर ली। हालांकि वीडियो नहीं डिलीट किया। फर्जी तरीके से पेपर तैयार कराकर हस्ताक्षर कराया और मारपीट कर चेन–अंगूठी, घड़ी व पैसे भी छीन लिए। अब वह 10 लाख रुपये व पिता से जमीन दिलाने की मांग कर रहा है। बात न मानने पर वीडियो फेसबुक व यूट्यूब पर डालने की धमकी दे रहा है। छात्रा ने कानपुर में आला पुलिस अफसरों से शिकायत की। इसके बाद विधनू थाने में जीरो एफआईआर दर्ज कर मामला कैंट थाने में स्थानांतरित कर दिया गया। कैंट प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है।

शंकरगढ़ पावर प्लांट में सिक्योरिटी सुपरवाइजर का शव फंदे से लटका मिला, कान में लगा था ईयरफोन

प्रयागराज। शंकरगढ़। क्षेत्र के टाटा पावर प्लांट (पीपीजीसीएल) में सोमवार को सुबह सिक्योरिटी सुपरवाइजर ने फांसी लगा ली, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक युवक के पिता इसी पावर प्लांट अंतर्गत चौकी में चौकी इंचार्ज रह चुके हैं। सिक्योरिटी के शिफ्ट इंचार्ज पंकज कुमार की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दिलीप सोनकर (27) पुत्र गंगाराम सोनकर निवासी लोमर, थाना जिल्ला, जनपद बांदा लगभग एक वर्ष से टाटा पावर प्लांट (पीपीजीसीएल) मिश्रा पुरवा शंकरगढ में टेक्नो फैशलिटी एंड मैनेजमेंट सिक्योरिटी सर्विस में सुपरवाइजर के पद में कार्यरत था। वह कंपनी के अंदर ब्लॉक एफएच 4बी में रहता था। सोमवार को सुबह छह बजे काम पर पहुंचना था, लेकिन उसके न पहुंचने पर कर्मचारियों ने उच्चाधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद कंपनी के ही कुछ लोग कमरे पर पहुंचकर आवाज लगाए और दरवाजा खटखटाना शुरू किया, लेकिन अंदर से किसी प्रकार की कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई। दरवाजे को धक्के देकर तोड़ा गया तो अंदर देखा कि दिलीप का शव पंखे पर गमछे के सहारे फांसी लगाकर लटक रहा था। घटना की सूचना अधिकारियों को सूचना दी गई, मौके पर पहुंचकर पुलिस को सूचना दिया। सब का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। पुलिस द्वारा जानकारी दी गई कि सूचना मिली तो घटना स्थल पर पहुचकर देखा गया कि मृतक पंखे के चुल्ले से गमछे के सहारे लटक रहा था जिसकी मृत्यु हो गई थी। मृतक के कान में ईयर फोन लगा हुआ था तथा मोबाइल पैर के पास बंद पड़ा था।देखने में ऐसा लग रहा था कि युवक किसी से बात करते करते आत्महत्या कर लिया है। मृतक दिलीप सोनकर के पिता गंगाराम सोनकर पुलिस विभाग में उपनिरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। एक वर्ष पूर्व शंकरगढ़ में पॉवर प्लांट चौकी इंचार्ज रह चुके हैं तभी से बेटा पावर प्लांट में काम कर रहा है। उप निरीक्षक गंगाराम सोनकर वर्तमान में प्रयागराज पुलिस लाइन में हैं। बड़ा दीपक सोनकर जिसकी शादी हो चुकी है एवं छोटा अभिषेक सोनकर है। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। सहायक पुलिस आयुक्त बारा संतलाल सरोज द्वारा विधि विज्ञान प्रयोगशाला को सूचित किया। टीम ने घटनास्थल पर पहुंच कर कुछ नमूनों को एकत्रित कर लैब ले गई।

प्रयागराज- कानपुर रेल ट्रैक पर मिला सिलिंडर, चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोकी गाड़ी

प्रयागराज। दिल्ली–हावड़ा रेल मार्ग के प्रयागराज कानपुर रेल खंड पर रविवार की सुबह रेल ट्रैक पर सिलिंडर मिलने से हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि उस ट्रैक से गुजर रही एक मालगाड़ी के लोको पायलट ने गैस सिलिंडर को दूर से ही देख लिया। उसने सजगता दिखाते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगाकर मालगाड़ी रोकी, और कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दी ।मामला रविवार सुबह तकरीबन 6रू00 बजे के आसपास प्रेमपुर रेलवे स्टेशन के निकट का है। जेटीटीएन मालगाड़ी कानपुर से प्रयागराज की ओर आ रही थी। इसी दौरान जब प्रेमपुर स्टेशन पर लूप लाइन पर आ रही थी तो गाड़ी में तैनात लोको पायलट देव आनंद गुप्ता एवं सहायक लोको पायलट सी बी सिंह ने सिग्नल से कुछ दूर पहले रेल ट्रैक पर एक गैस सिलिंडर रखा हुआ देखा। उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगाकर गाड़ी को सिलिंडर से पहले रोक लिया। कंट्रोल रूम के साथ संबंधित विभागों को इसकी जानकारी दी गई। मौके पर रेलवे आईओडब्ल्यू, रेल सुरक्षा बल सहित अन्य विभागों की टीम मौके पर पहुंची। सिलिंडर की जांच करने पर पता चला कि यह 5 लीटर का खाली सिलिंडर है । ट्रैक पर सिग्नल के थोड़ा पहले मिले सिलिंडर किसने रखा उसकी जांच के निर्देश दिए गए हैं। प्रयागराज मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि इस मामले में जांच चल रही है उसी के बाद कुछ कहा जा सकेगा। जिस स्थान पर रेलवे ट्रैक पर सिलिंडर मिला है उसके पास बीयर की दो खाली बोतलें भी मिली हैं। आशंका जाहिर की जा रही है कि नशेड़ियों ने बीयर पीने के बाद शरारत की है। फिलहाल पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैंइसी तरह बीतीरात प्रयागराज के करछना में फ्रेट कॉरिडोर पर शरारती तत्वों ने रेलवे ट्रैक पर पत्थर रख दिया। मालगाड़ी से यह पत्थर टकरा भी गया। लोको पायलट ने घटना सूचना अफसरों को दी तो छिवकी की आरपीएफ टीम मौके पर पहुंची। वहां आरपीएफ को तकरीबन तीन किग्रा का पत्थर मिला। दो दिन पहले बिलासपुर रोड रुद्रपुर सिटी स्टेशन के 43 10–11 रेलवे लाइन पर टेलीकॉम का पुराना लोहे का 7 मीटर लंबा खंभा रेलवे ट्रैक पर रखा पाया गया था। गनीमत रही कि उसे समय रहते देख लिया गया।

फर्जी पैरामेडिकल संस्थान के नाम पर सैकड़ों छात्रों से लाखों की ठगी, केस दर्ज

प्रयागराज। लखनऊ के फर्जी संस्थान से संबद्ध पैरामेडिकल कॉलेज झूंसी के सैकड़ों छात्र–छात्राओं का भविष्य अधर में है।

मामले में झूंसी के पैरामेडिकल कॉलेज के संचालक की ओर से दी गई तहरीर पर करीब एक साल बाद पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की गई है। झूंसी में स्थित सम्यता इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज में डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्निशियन (डीएमएलटी) का कोर्स संचालित किया जा रहा था। सम्यता इंस्टीट्यूट के संचालक सत्येंद्र कुमार का कहना है कि उनके इंस्टीट्यूट की उत्तर प्रदेश स्टेट पैरामेडिकल फैकल्टी लखनऊ से संबद्धता थी। 24 अप्रैल 2023 को प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा होनी थी, लेकिन एडमिट कार्ड और अन्य आवश्यक दस्तावेज परीक्षा से पहले तक प्राप्त नहीं हुए। जब संस्थान से संपर्क किया गया तो कोई जवाब नहीं मिला। फिर लखनऊ स्थित कार्यालय भी बंद मिला। बाद में पता चला कि लखनऊ में संचालित उत्तर प्रदेश स्टेट पैरामेडिकल फैकल्टी फर्जी है। इसका उत्तर प्रदेश सरकार या स्वास्थ्य विभाग से कोई संबंध नहीं है। इसके चलते कार्यालय को भी सील कर दिया गया है। सत्येंद्र कुमार मुताबिक, उन्होंने इस फर्जी संस्थान को सम्बद्धता के नाम पर 50,000 रुपये और अन्य फीस के नाम पर कुल 2,48,000 रुपये का भुगतान किया था। ठगी का शिकार होने के बाद उन्होंने झूंसी थाने में 19 नवंबर 2023 को प्रार्थना पत्र दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। तकरीबन सालभर बाद पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज की है। एसओ झूंसी उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर तफ्तीश की जा रही है।

देवरिया एसपी बताएं...पीड़िता के अश्लील वीडियो की बरामदगी के लिए क्या कदम उठाए

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रेमी की ब्लैकमेलिंग से तंग आकर युवती की आत्महत्या मामले की विवेचना पर गंभीर सवाल उठाए हैं। देवरिया के पुलिस अधीक्षक (एसपी) से पूछा है कि पुलिस अधिकारियों ने जब्त मोबाइल से पीड़िता के अश्लील

वीडियो की बरामदगी के लिए कदम क्यों नहीं उठाए? यह आदेश न्यायमूर्ति अजय भनोट की अदालत ने आरोपी नितेश चौहान की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। आरोपी पर प्रेमिका की अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है। मामला देवरिया के कोतवाली थाना क्षेत्र का है। युवती के पिता ने आरोपी नितेश समेत उसके माता–पिता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। आरोप लगाया कि नितेश ने शादी का झांसा देकर उसकी बेटी के साथ तीन साल तक यौन शोषण करता रहा। इसी दौरान उसने युवती का अश्लील वीडियो भी बना लिया। युवती ने शादी के लिए कहा तो उसने इन्कार कर दिया। साथ ही युवती को अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। इससे घबरा कर युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने नितेश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। सत्र अदालत से जमानत अर्जी खारिज होने के बाद आरोपी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि पुलिस ने मोबाइल तो जब्त किया। लेकिन, घटना के पांच माह बाद भी वीडियो की बरामदगी को लेकर पुलिस ने अब तक कोई कार्यवाही नहीं की। विवेचना से खफा कोर्ट ने एसपी देवरिया को हलफनामे पर इस लापरवाही की वजह और अब तक उठाए गए कदम की जानकारी 16 अक्तूबर तक देने का आदेश दिया है।

दरोगा के पुत्र ने पावर प्लांट में लगाई फांसी, मौत

प्रयागराज पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड बारा में कार्यरत रहे सिक्योरिटी के सुपरवाइजर ने सोमवार सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। इससे प्लांट प्रशासन में हड़कंप मच गया। उत्तर प्रदेश पुलिस में उप निरीक्षक के पद पर पुलिस लाइन प्रयागराज में कार्यरत गंगाराम सोनकर का पुत्र 27 वर्षीय दिलीप सोनकर ने पावर प्लांट के ही अंदर बने रिहायशी कालोनी के अंदर लगे पंखे में फांसी का फंदा लगाकर झूल गया। फिलहाल आत्महत्या का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। जानकारी लेने पर बताया गया कि पावर प्लांट के सिक्योरिटी की तरफ से शिफ्ट इंचार्ज पंकज कुमार ने शंकरगढ़ पुलिस को सूचित किया कि सोमवार की सुबह छह बजे से दोपहर दो बजे तक दिलीप सोनकर की ड्यूटी थी परंतु 6रू30 बजे तक जब दिलीप ड्यूटी नहीं आया तो साथ के कुछ लोगों को उसके रूम पर भेजा गया। रूम का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी आवाज देने के बावजूद नहीं खुला। लोगों की मदद से दरवाजे को तोड़कर जैसे अंदर गए देखा गया कि गमछे की मदद से सीलिंग फैन पर दिलीप लटका हुआ है। पुलिस को सूचना देने के बाद उसको फंदे से उतरा गया। तब तक वह मृत हो चुका था। दिलीप सोनकर मूल रूप से पोस्ट लौमर थाना चिल्ला जनपद बांदा का रहने वाला था। इनके पिता गंगाराम सोनकर उत्तर प्रदेश पुलिस की सेवा दे रहे हैं और मौजूदा समय में प्रयागराज पुलिस लाइन में कार्यरत हैं। बताया गया कि एक वर्ष पूर्व पावर प्लांट चौकी इंचार्ज के रूप में कार्य कर चुके थे। तभी अपने बीच के पुत्र दिलीप सोनकर को सिक्योरिटी के सुपरवाइजर के पद पर नियुक्त करवाया था। दिलीप तीन भाइयों में मझला था। बड़ा भाई दीपक सोनकर एवं इससे छोटा अभिषेक सोनकर हैं। शव को शंकरगढ़ पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए प्रयागराज भेज दिया है। दिलीप की मां, बहन एवं अन्य परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है। सोमवार की सुबह दिलीप सोनकर ने पावर प्लांट के ही रिहायसी कॉलोनी में अपने ही कमरे में फांसी के फंदे पर झूल गया था। उसकी मौत हो गई। उसका रूम पार्टनर पिछले दो दिनों से अपने घर गया हुआ है। जब शव को नीचे उतारा गया तो देखा गया कि उसका फोन उसके पैर के पास ही रखा था एवं कान में इअर फोन लगा हुआ था। संभावना जताई जा रही है कि वह किसी से फोन पर बात कर रहा था या वीडियो कॉलिंग करते–करते फांसी के फंदे पर झूल गया।

बाबू जी के 75 जन्म दिवस पर भव्य कवि सम्मेलन

प्रयागराज। सहिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत राष्ट्रीय कवि संगम प्रयागराज यमुना इकाई के तत्वाधान में संस्था के राष्ट्रीय संरक्षक श्री जगदीश मित्तल बाबू जी के 75 जन्म दिवस पर कवि सम्मेलन, सम्मान समारोह का आयोजन बायो वेद शोध संस्थान प्रयागराज में किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय कवि संगम काशी प्रांत के अध्यक्ष अटल नारायण एवं बतौर मुख्य अतिथि डॉ बी के द्विवेदी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर अति विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ राम जी मिश्रा, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय कवि संगम काशी प्रांत उपाध्यक्ष डॉ शंभू नाथ त्रिपाठी एवं प्रांत उपाध्यक्ष डॉ इंदु जौनपुरी जी, संभाग प्रभारी सुश्री प्रतिमा मिश्रा की सम्माननीय उपस्थिति से कार्यक्रम की भव्यता एवं दिव्यता बढ़ गई।

इस दौरान डॉ बी के द्विवेदी जी राष्ट्रीय जागरण में साहित्य का योगदान और कृषि से संबंधित संसाधनों और व्यवस्थाओं के विषय में चर्चा की तथा डॉ राम जी मिश्रा जी ने कार्यक्रम के लिए शुभ आशीर्वाद दिया। डॉ शंभू नाथ त्रिपाठी जी ने हिन्दी की महत्ता की चर्चा की सुश्री प्रतिमा मिश्रा जी जिन्होंने अपने वक्तव्य के माध यम से नई पीढ़ी नई सोच और साहित्यिक मार्गदर्शन प्रदान किया साथ ही कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री अटल नारायण जी ने बताया कि काव्य में कथ्य तथ्य भाव एवं शिल्प अति महत्वपूर्ण हैं। साथ उन्होंने काशी प्रांत के सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर प्रांत कार्यकारिणी का विस्तार भी किया गया। जिसकी औपचारिक घोषणा आने वाले कार्यक्रम में क्षेत्रीय अध्यक्ष द्वारा की जायेगी। कार्यक्रम का संचालन डॉ इंदु जौनपुरी जी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के आयोजक जिलाध्यक्ष यमुनापार प्रयागराज निखिलेश मालवीय, सह संयोजक अमित कुमार शर्मा जिला अध्यक्ष भदोही ने अपनी पूर्ण ऊर्जा के सभी का सम्मान किया।

भीख मांगे जो अदाकारी से,बच के रहना तुम उस भिखारी से....

जिला अधिवक्ता संघ सभागार में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में कवियों ने बांधी समां

प्रयागराज। जिला अधिवक्ता संघ सभागार में हिन्दी पखवाड़ा के अन्तर्गत आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में कवियों ने खूब समां बांधी। जिला जज संतोष राय ने मां वीणापाणि के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए कवि सम्मेलन का उद्घाटन किया। कवयित्री मीरा तिवारी द्वारा प्रस्तुत वाणी वन्दना के उपरांत मंच का संचालन कर रहे चर्चित हास्य कवि अशोक बेशरम नेकहा—भीख

मांगे जो अदाकारी से,बच के रहना तुम उसे भिखारी से। जितेंद्र मिश्र जलज के गीत, चंदन है,पानी है और क्या, दुनिया कहानी है और क्या,ने भी खूब समा बांधी। लखनऊ की शशि श्रेया और प्रतापगढ़ के ओज कवि हरि बहादुर सिंह हर्ष ने भी अपने गीत और मुक्तकों पर खूब तालियां बटोरी। आजमगढ़ के भालचंद्र त्रिपाठी ने कहा—ये बिगड़ी बात पल भर में बन जाती मगर,हमें कहना नहीं आया,तुम्हें सुनना नहीं आया। मशहूर शायर राजेश राही पढ़ा—मुनाफे के लिए जज्बात का सौदा नहीं करते। बहुत झुक कर किसी से हम भी समझौता नहीं करते।नीरज पांडेय,रितंभरा,

महक जौनपुरी के बाद नरकंकाल रायबरेलवी ने भी अपनी रचनाओं से खूब गुदगुदाया। संयोजक कवि अखिलेश द्विवेदी ने अपने अंदाज में खूब ठहाके लगवाये। इस मौके पर बार कौंसिल के सदस्य देवेन्द्र मिश्र नगरहा समेत बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

सीएचसी परिसर में स्वास्थ मेले मे पहुंचे मरीज, हुआ परीक्षण

बेशरम की हास्य कविताओं ने बांधी समां

करछना। सोमवार को सीएचसी परिसर करछना में आयोजित स्वास्थ्य मेले के दौरान मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी ने कहा कि समय—समय पर इस स्वास्थ सम्बधी जानकारी निःशुल्क परीक्षण हेतु इस तरह के स्वास्थ मेले बहुत जरूरी है।उन्होने कई स्वास्थ संबधी योजनाओं की जानकारी देते हुए लोगो से इसका लाभ लेने पर जोर दिया।अधीक्षक डॉ.केबी सिंह ने मेले के उदेश्य से मौजूद लोगों को जोड़ते हुए कहा कि समय—समय पर आयोजित स्वास्थ मेले में निःशुल्क कई जांचों की सुविधा

के साथ—साथ योग्य डाक्टरों का परमार्श और स्वास्थ वर्धक दवाएं भी दी जाती है।विभागीय निर्देशो के तहत अस्पताल से चलाई जा रही तरह—तरह की स्वास्थ सेवाओं के बारे में जानकारी देते हुए लोगों से सुविधाओं का लेने की अपील की।इस दौरान 445 ओपीडी के साथ—साथ पांच टीबी मरीजों और सात फाइलेरिया प्रभावित लोगों को पोषण किट वितरित किया गया।डॉ.वाईपी सिंह,डॉ.अर्चना केसरवानी,डॉ.संगीता,डॉ.मनीषा मथानी सहित कई कुशल चिकित्सकों ने मेले में आये मरीजों का परीक्षण करते हुए जरूरी सुझाव दिए।मेले में पहुंची लोक गायिका मोहिनी श्रीवास्तव के मौसमी गीत और अशोक बेशरम के हास्य कविताओं ने खूब समां बांधी।संचालन कर रहे स्वास्थ शिक्षाधिकारी अवनीश मोहन वर्मा ने स्वास्थ मेले में आये लोगों के प्रति आभार प्रकट किया।इस मौके पर शोभा द्विवेदी,त्रिवेणी प्रसाद पांडेय,ज्ञान सिंह पटेल,लक्ष्मी शंकर पांडेय नन्हे,राम भवन द्विवेदी,शोभनाथ द्विवेदी.दीप नारायण मिश्र,आशा बहुएं और मरीज मौजूद रहे।

वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच असम इकाई का मासिक ऑनलाइन कवि सम्मेलन संपन्न

देशभर के जाने- माने कवियों ने भीषण गर्मी तथा माँ के ऊपर केंद्रित कविता प्रस्तुति दी

विश्वनाथ, असम। सवरिष्ठ नागरिक काव्य मंच, असम इकाई की मासिक गोष्ठी दिनांक 21 सितंबर 2023 (शनिवार) को ऑनलाइन माध्यम गूगल मीट द्वारा आयोजित की गई। इस ऑनलाइन कवि सम्मेलन में देश भर के जाने—माने कविगणों ने हिस्सा लिया और अपनी कविता से वाहवाही लूटी।

कवि सम्मेलन इस समय की भीषण गर्मी और ममतामयी माँ पर केंद्रित रही। कई रचनाकारों ने पेड़ लगाने का उत्कृष्ट संदेश देते हुए कविता पाठ किया तो वहीं कइयों ने माँ जैसे शब्द से छोटे शब्द किन्तु अर्थ में धरती—आकाश से वृहद मायनों वाले विषय पर रचना प्रस्तुत कर सबको भाव—विभोर कर दिया। सभी अपने—अपने आंसू पोछते नजर आए। कवि सम्मेलन की शुरुआत हेमलता गोलछा जी की सरस्वती वंदना से हुई। तत्पश्चात मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि का परिचय रखा गया इस दायित्व को पूरा किया क्रमशः कल्पना कश्यप जी और आभा कुमारी चौधरी जी ने। इस कवि सम्मेलन के मुख्य अतिथि थे कर्नाटक वनकाम इकाई के अध्यक्ष सूबेदार रामस्वरूप कुशवाहा जी और विशिष्ट अतिथि थी नई दिल्ली की वरिष्ठ कवयित्री प्रवीणा द्विवेदी जी ।

कविता की शुरुआत सर्वप्रथम वरिष्ठ कवि आदरणीय किशोर जैन जी द्वारा हुआ इसके बाद एस. एन. सिंह जी, हेमलता गोलछा जी (उपसचिव, वनकाम असम), कल्पना कश्यप जी (सचिव, वनकाम असम), मनीषा पॉल जी, मुख्य अतिथि सूबेदार रामस्वरूप कुशवाहा जी, महाराष्ट्र इकाई की अध्यक्षा सुवर्णा यादव जी, शहर क्षमता विश्वनाथ चरियाली की अध्यक्षा सैयदा अनोवारा खातून जी, वनकाम असम के उपाध्यक्ष संतोष कुमार महतो जी, विशिष्ट अतिथि प्रवीण द्विवेदी जी, नागेश्वर गुप्ता जी और वनकाम असम इकाई की अध्यक्षा आभा कुमारी चौधरी जी ने काव्य पाठ

किया।

कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम का संचालन कर रहे वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच असम इकाई के उपाध्यक्ष विनय कुमार बुद्ध जी ने अपनी कविता प्रस्तुत की। धन्यवाद अर्पित करते हुए वनकाम असम इकाई की अध यक्ष श्रीमती आभा कुमारी चौध री जी ने इस कवि सम्मेलन में शामिल सभी कविगण का आभार व्यक्त किया। साथ ही वनकाम के राष्ट्रीय संस्थापक डॉ. नरेश नाज जी, मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के अलावा महाराष्ट्र इकाई की अध्यक्ष सुवर्णा यादव का भी विशेष आभार व्यक्त किया।

आस-पास (लघुकथा-संग्रह) एवं उद्गार-देह (मुक्तक-संग्रह) का विमोचन

डा0 योगेन्द्र कुमार मिश्र 'विश्वबन्धु' सम्मानित

प्रयागराज। सहिन्दुस्तानी एकेडेमी,प्रयागराज के गांधी सभागार में भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ द्वारा संगोष्ठी,पुस्तक विमोचन एवं सम्मान समारोह का वृहद आयोजन भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार मुनेश्वर मिश्र की अध यक्षता एवं उत्तर प्रदेश अध्यक्ष प्रभाशंकर ओझा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ ।महासंघ के राष्ट्रीय संरक्षक एडवोकेट बालकृष्ण पाण्डेय,राष्ट्रीय मुख्य महासचिव धूरिया, प्रो0 अग्निहोत्री एवं राष्ट्रीय महासचिव डा0योगेन्द्र कुमार मिश्र की गरिमामयी उपस्थित में हुआ ।अतिथिगण द्वारा दीप—प्रज्वलन के पश्चात सभी को मोतियों की माला और बैच लगाकार सम्मानित किया गया ।बैठक में अतिथिगण एवं राज्य के विभिन्न नगरों से आये पत्रकारों ने संगठित रहने के संकल्प तथा सरकार से उनकी

सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने एवं उन्हें विभिन्न सुविध ााओं की मांग की जिसमें स्वास्थ्य बीमा एवं असामयिक मृत्यु की दशा में विशेष सहायता अनुदान की भी मांग की ।इसके अतिरिक्त एक राष्ट्रीय पत्रकार सम्मेलन की चर्चा भी की गयी। बाहर से आये समस्त पत्रकारों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

द्वितीय सत्र में डा0 शम्भूनाथ त्रिपाठी की अध्यक्षता एवं डा0 ओम नीरव के मुख्य आतिथ्य में साहित्यांजलि प्रकाशन ने अवध साहित्य अकादमी की ओर से अंग—वस्त्र एवं प्रमाणपत्र तथा स्मृति—चिन्ह प्रदान कर मुंशी प्रेमचंद स्मृति साहित्य सम्मान से सम्मानित किया किया। डा0 सुनील विक्रम सिंह को उनके उपन्यास ताजमहल के ऑसू पर शशिखर सम्मानश,वरिष्ठ लेखिका जया श्रीवास्तव को भूली बिसरी कहानियों पर भारती सम्मान तथा डा0 योगेन्द्र कुमार मिश्र शविश्वबन्धुश के शब्द—संसार (कहानी—संग्रह) पर वैभव सम्मान प्रदान किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य के 40 साहित्यकारों को प्रमाण पत्र एवं अंग—वस्त्र प्रदान कर पं0 अवध ा नारायण उपाध्याय स्मृति साहित्य सम्मान से सम्मानित किया गयया। विभिन्न रचनाकारों की 16 पुस्तकों का विमोचन भी किया गया ।जिसमें डा0 योगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबन्धु के आस—पास (लघुकथा—संग्रह) एवं उद्गार—देह (मुक्तक—संग्रह) उल्लेखनीय है। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक तथा साहित्यांजलि प्रकाशन के मुख्य संपादक डा0 भगवान प्रसाद उपाध याय ने किया।

सम्मानित होने वालों में गुलमोहर के लिये लखनऊ की सुनीता त्रिपाठी एवं भूख के लिए प्रयागराज के रवीन्द्र कुशवाहा,पं0 राकेश मालवीय एवं डा0 रामलखन चौरसिया,अजय मालवीय एवं प्रदीप सिंह का नाम उल्लेखनीय हैं।

कार्यक्रम में उमेश श्रीवास्तव,अरविंद मालवीय,शम्भूनाथ श्रीवास्तव,रंजन पाण्डेय, डा0 वीरेन्द्र तिवारी,मीनल सिंह,सुशील राय,विकास केलकर आदि उपस्थित रहे।

जोरहाट के कलमकार नामक साहित्यिक संस्था का हुआ स्थापना

जोरहाट, असम। असम राज्य के जोरहाट जिले में हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार तथा साहित्यिक गतिविधियों में एक नए आयाम जोड़ते हुए साहित्यकार ममता गिनोड़िया के नेतृत्व में नवागंतुक कलम कारों के लिए ष्जोरहाट के कलमकार की नामक साहित्यिक संस्था का बुधवार (18 सितंबर) को स्थापना की गई। जानकारी के अनुसार संस्थापक अध्यक्ष ममता गिनोड़िया के नेतृत्व में यह एक ऐसा साहित्यिक मंच तैयार किया है जो जोरहाट के नवांकुर रचनाकार को अपनी स्वरचित रचना पढ़ने के लिए एक सशक्त मंच की बहुत आवश्यकता होती है जो अपने मन की बात मंच को दे सके ।इन सभी रचनाकारो को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस मंच को बनाया गया ।इस मंच में रुनू बरुआ को प्रभारी , जयश्री शर्मा को अध्यक्ष, सरिता सिंह जी को उपाध्यक्ष बनाया गया और संरक्षक के लिए जिमी मोदी को ममता गिनोड़िया ने पद चुनाव किया ।एम डीज होटल में इस मंच की स्थापना हुई इस मंच के उद्देश्य की जानकारी गिनोड़िया जी ने दी जिसकी उपस्थित महानुभावों ने सराहना की तथा कहा भविष्य में सबके लिए यह कारगर सिद्ध होगी । इस कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से की गई जो कि प्रसिद्ध गायिका वंदना मिश्रा जी ने मधुर आवाज में गाकर सम्मोहित किया। संस्थापिका ममता गिनोड़िया ने अध्यक्ष जयश्री शर्मा कार्यक्रम की शुरूआत करने के लिए कहा और उन्हीं के अनुसार सब ने अपने अपने विचार भी रखें काव्य

पाठ करने वालो में जयश्री शर्मा,ज्योति अग्रवाल, शमा जैन सिंघल, सरिता सिंह ,कांति करनानी,सुशीला मालू,सुनिता ध ीर,ममता गिनोड़िया,सुमन भडेच, किरण सोमानी सविता ढंढारिया,प्रतिमा भडेच, विमला शर्मा,सुभद्रा शर्मा,वंदना मिश्रा ने बहुत ही शानदार काव्य—पाठ किया। संस्थापिका ममता गिनोड़िया ने कहा यह मंच निःशुल्क मंच हैं इस के लिए कोषाध्यक्ष पद की आवश्यकता नहीं है। इस मंच से जुड़ने के लिए नवागंतुक नवलेखक संस्थापक अध्यक्षा के मोबाइल नंबर 9435610538 से संपर्क करे।

हिन्दी को शाश्वत जीवनशैली के रूप में अपनाया जाना चाहिए : डॉ0 रत्न

प्रतापगढ़। सृजना साहित्यिक संस्था उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में हिन्दी पखवाड़े

के अन्तर्गत काव्य गोष्ठी एवं विमर्श कार्यक्रम का आयोजन शारदा संगीत महाविद्यालय के प्रांगण में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार दयाराम मौर्य रत्न ने कहा कि हिन्दी विश्व की सर्वाधिक समृद्ध भाषा है।इसे शाश्वत जीवनशैली के रूप में अपनाया जाना चाहिए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ट्रस्टी आनंद मोहन ओझा ने कहा कि हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करना हर भारतीय का नैतिक कर्तव्य है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अमित शुक्ला ने कहा कि हिन्दी हर हिन्दुस्तानी के माथे की गौरवशाली बिंदी है।इसके प्रयोग पर गर्वानुभूति करें।

विशिष्ट अतिथि राजीव कुमार आर्य ने कहा कि हिन्दी हिन्दुस्तान की पहचान और शान है।

कार्यक्रम में प्रेम कुमार त्रिपाठी प्रेम,अमरनाथ गुप्ता बेजोड़,कुंजबिहारी लाल मौर्य काकाश्री,अनिल कुमार निलय, राजेश हर्षपुरी,मनप्रीत कौर,सत्येन्द्र कुमार शुक्ला,अजीत ने काव्यपाठ किया।

कार्यक्रम में हिन्दी को राजभाषा से राष्ट्रीय भाषा बनाने की पुरजोर मांग करते हुए संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम का संचालन अनिल कुमार निलय ने किया।

सिविल डिफेंस के सभापति बने दिनेश सिंह

प्रयागराज। डिवीजन चौक के अंतर्गत मोहल्ला रक्षा सुरक्षा समिति के सभापति बनाए गए जिला मजिस्ट्रेट व अपर नगर आयुक्त के द्वारा सम्मानित किए गए दिनेश सिंह चीफ वार्डन

अनिल कुमार जी डिप्टी कंट्रोलर नीरज मिश्रा जी, एडिशनल डिप्टी कंट्रोलर राकेश कुमार तिवारी जी, सभापति मोहन जी टंडन जी,डिविजनल वार्डन रिजर्व नगर रौनक गुप्ता जी व डिविजन चौक के डिप्टी डिविजनल वार्डन मनी मेहरा जी ने दिनेश सिंह जी को सिविल डिफेंस की तरफ से सभापति बनाने पर अहम जिम्मेदारी देते हुए हार्दिक बधाई देकर शुभकामनाएं प्रदान की दिनेश सिंह को इसके साथ प्रयागराज में और कई मौजूदा संगठनों एवम संस्थाओं में कई अहम भूमिका निभाने वाले कर्मठ और सक्रिय रहने वाले व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते है उनको सिविल डिफेंस के सभापति बनाए जाने पर प्रयागराज शहर के लोगों में हर्ष का माहौल है।

न्यायमूर्ति सुधीर नारायण अग्रवाल ने फ्लोरा एंड फोना राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के कलाकारों को किया सम्मानित

आठवीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी फ्लोरा एंड फोना का भव्य समापन

प्रयागराज। खानम आर्ट गैलरी में आठवीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का रविवार को समापन समारोह धूमधाम से संपन्न हुआ। कलामनीषी मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण अग्रवाल ने समापन समारोह में प्रदर्शनी में प्रतिभागी सभी कलाकारों को सम्मान पत्र देखकर सम्मानित किया। गैलरी निदेशक डॉ.जाहेदा खानम ने मुख्य अतिथि का बैच,अंग वस्त्र व बुके से सम्मान

किया। प्रदर्शनी ष्फ्लोरा और फॉनाष के विषय पर केंद्रित थी, जिसमें देश भर के प्रसिद्ध कलाकारों की 72 कलाकृतियों की जज साहब ने जमकर तारीफ की और कहा कि प्रयागराज में डां.जाहिदा खानम के सद्—प्रयत्नों से नवोदित कलाकारों को बहुत लाभ पहुंच रहा है। गैलरी की कैलीग्राफी प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। विशेष अतिथि कलाकार अंतरराष्ट्रीय कैलीग्राफर गौरी यूसुफ हुसैन, प्रसिद्ध कलाकार सुमित ठाकुर, डॉ. कावेरी विज, अर्चना पांडे, कुलदीप वर्मा, नावर एजाजी, इम्तियाज अंसारी, अकील अहमद, दानिश अंसारी, जावरिया खान, जमाल अहमद मलिकगांव, मोहम्मद अहमद देवलघाट, फ्रेशा जेबिन, यूसुफ मंसूरी, रुशदा फातिमा, सिदरह जुनैद, अंजलि पांडे, कुशवाहा राजकुमार, मुसाब अदील, निसार अहमद, रूबीना अख्तर, सदाफ फातिमा, सबा बानो, निदा अंसारी, शादमा वसी, रहमा खालिक, एवं समन्वयक और अतिथि कलाकार रवींद्र कुशवाहा और तलत महमूद की शानदार कलाकृतियों की मुख्य अतिथि जज साहब ने भूरि— भूरि प्रशंसा की। अंत में डॉ.जाहेदा खानम ने अतिथियों, कलाकारों का स्वागत अभिनंदन एवं आभार प्रकट किया।

मनकामेश्वर मंदिर में नहीं चढ़ेगा बाहर का प्रसाद, सूखे मेवे का लगा सकेंगे भोग

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ के प्रसिद्ध मनकामेश्वर मंदिर में बाहर से लाए गए प्रसाद पर रोक लगा दी गई है। तिरुपति मंदिर में हुए लड्डू विवाद के बाद लखनऊ में भी मंदिर में प्रसाद को लेकर नई गाइडलाइन जारी की गई है। मनकामेश्वर मंदिर की महंत दिव्य गिरी ने बाहर से लाए गए प्रसाद पर बैन लगाते हुए नोटिस चस्पा कराया है। महंत दिव्य गिरी की तरफ जारी लेटर में साफ कहा गया है कि बाजार से खरीदा गया प्रसाद मंदिर में बैन कर दिया गया है। साथ ही यह भी सहूलियत दी गई है, कि भक्त अपने घरों में बना प्रसाद चढ़ा सकते हैं। सूखा मेवा भी गर्भ गृह में चढ़ाया जा सकता है। यह व्यवस्था आज यानी सोमवार से लागू कर दी गई। मंदिर की महंत दिव्य गिरि ने कहा, कि यह फैसला आंध्र प्रदेश के तिरूपति मंदिर में हुए

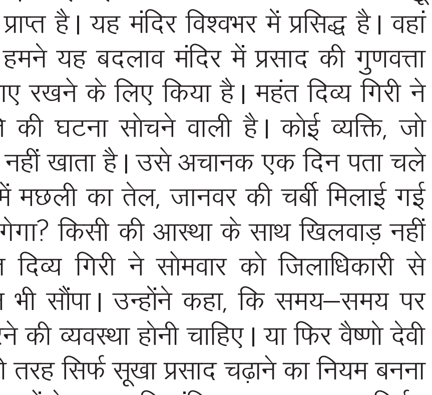

लड्डू विवाद के बाद लिया गया है। वहां, लड्डू बनाने में उपयोग होने वाली सामग्री में गड़बड़ी पाई गई। बताया कि तिरुपति मंदिर के लड्डू को जीआई टैग भी प्राप्त है। यह मंदिर विश्वभर में प्रसिद्ध है। वहां हुए विवाद के बाद हमने यह बदलाव मंदिर में प्रसाद की गुणवत्ता और शुद्धता को बनाए रखने के लिए किया है। महंत दिव्य गिरी ने बताया कि तिरुपति की घटना सोचने वाली है। कोई व्यक्ति, जो लहसुन—प्याज तक नहीं खाता है। उसे अचानक एक दिन पता चले कि प्रसाद के लड्डू में मछली का तेल, जानवर की चर्बी मिलाई गई है, तो उसे कैसा लगेगा? किसी की आस्था के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। महंत दिव्य गिरी ने सोमवार को जिलाधिकारी से मिलकर एक ज्ञापन भी सौंपा। उन्होंने कहा, कि समय—समय पर प्रसाद की जांच करने की व्यवस्था होनी चाहिए। या फिर वैष्णो देवी आदि कुछ मंदिरों की तरह सिर्फ सूखा प्रसाद चढ़ाने का नियम बनना चाहिए। मंदिर पहुंचे भक्तों ने बताया, कि मंदिर प्रशासन का यह निर्णय बिल्कुल सही है। अगर किसी को भी प्रसाद चढ़ाना है, तो वह घर से बनाकर शुद्ध प्रसाद लेकर आए। फल—फूल का प्रसाद चढ़ाए।

सम्पादकीय.......

सुपरपावर साबित होगा चन्द्रयान चार

बुनियादी जरूरतों की बॉत को किनारे कर दिया जाए तो यह कहा जा सकता है कि जमीन से लेकर आसमान तक भारत का कद लगातार बढ़ रहा है। हालाकि जिन क्षेत्रों में भारत का दबदबा वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा है उसमें एक क्षेत्र सेना तो दूसरा क्षेत्र वैज्ञानिको जुड़ा है। इससे स्पष्ट है कि इन दोनों ही क्षेत्र में ताकतवर राजनीति और नौकरशाही की दखलदांजी न के बराबर है। गत दिवस भारतीय नौ सेना में स्वदेशी आईएनएस विक्रांत शामिल कर लिया गया है। अब भारतीय नौ सेना के पास पश्चिमी मोर्च पर दो विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य शामिल हो गए है। इसके बाद भारत की अरब सागर समुद्री शक्ति में बढ़ोत्तरी होगी। इसके अलावा केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने चंद्रयान चार मिशन को मंजूरी दे दी है। इस मिशन के तहत चन्द्रयान को चॉद की सतह पर उतरा जाएगा। चंद्रयान चार के लिए 2,104 करोड़ रूपये मंजूर किए गए है। इसे 2040 तक लॉच करने का लक्ष्य निध्रारित है। ज्ञातहो कि 2008 में चन्द्रयान एक लॉच किया गया था जिसने चॉद की परिक्रमा करते हुए अनेक आकड़े एकत्र किए थे। 2019 में चन्द्रयान दो लॉच हुए लेकिन असफल रहा। वर्ष 2023 में चन्द्रयान तीन लॉच हो गया यह सफल रहा। भारत ने पिछले कुछ वर्षो में जल,वायु थल सेना के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियॉ दर्ज कराई है। लेकिन आतंरिक्ष में उसकी उपलब्धि बेशकीमती है। अगर आतंरिक्ष में भारतीय वैज्ञानिकों की सोच के मुताबिक सबकुछ सच हुआ तो चॉद में आम इंसान का बसना अलौकिक होगा। यही नही दक्षिणी धुव की चट्टानों में लोहे के अलावा मैग्नीशियम, कैल्शियम और हीलियम–3 जैसा बहुमूल्य खनिज मिलने की आशा ने भारत को आतंरिक्ष में सुपरपावर बनाने की ओर अग्रसर किया है। भारत सरकार का एक आकलन है कि अगले कुछ वर्षों में देश अंतरिक्ष क्षेत्र में एक ट्रिलियन (एक लाख करोड़) डालर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इस क्षेत्र के ज्यादातर विशेषज्ञों का मानना है कि चंद्रयान–3 की अभूतपूर्व सफलता के बाद भारत के लिए ऐसा करना मुश्किल नहीं है। भारत में जगते इस भरोसे की नींव असल में पिछले वर्ष 23 अगस्त, 2023 को रखी गई थी। उस दिन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के मून मिशन की कड़ी में चंद्रयान–3 चंद्रमा के उस दक्षिणी ध्रुव पर उतरा था, जो इससे पहले अछूता रहा था। इस सफलता में एक और अहम चीज जुड़ी थी कि चंद्रयान–3 ने चांद पर साफ्ट लैंडिंग की थी, जो इससे पहले सिर्फ तीन देशों (रूस, अमेरिका और चीन) के खाते में दर्ज है। इस अहम पड़ाव पर पहुंचने के महत्त्व को दर्शाने के लिए इस वर्ष भारत ने प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस का आयोजन किया गया था। अब इसरो का ध्यान चंद्रयान–4 और चंद्रयान–5 के प्रक्षेपण पर है। इसे इस रूप में भी देखा जाना चाहिए कि चंद्रयान, मंगलयान और भावी गगनयान जैसी परियोजनाएं देश को आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करेंगी। इस क्षेत्र में मिलने वाली हर कामयाबी देश की युवा पीढ़ी को अंतरिक्ष अनुसंधान के प्रति प्रोत्साहित करेगी और वे इसे एक सम्मानजनक पेशे के तौर पर अपनाने के लिए प्रेरित होंगे। मगर, मामला सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। चंद्रयान की सफलता भारत को लूनर जियोपालिटिक्स (चंद्र भू–राजनीतिक) परिदृश्य के एक बड़े खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर रही है। भारत बेहद सस्ती दरों पर राकेट और अंतरिक्ष यानों के प्रक्षेपण के बाजार में खुद को एक बड़े खिलाड़ी के रूप में पेश कर रहा है। वह अंतरिक्ष में खनन की उन संभावनाओं को साकार करने की दिशा में बढ़ सकता है, जहां पृथ्वी पर कम पड़ते संसाधनों की भरपाई के लिए वह चंद्रमा और क्षुद्रग्रहों से खनिजों की ढुलाई कर भारी मुद्रा अर्जित कर सकता है। मानवता के इतिहास में यह पहली बार है कि भारत और चीन जैसे देश चंद्रमा के जटिल हिस्से में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। इसरो के अनुसार चांद का दक्षिणी ध्रुव कई मायनों में भावी चंद्रमिशनों के द्वार खोलने वाला साबित होगा। इसकी कई वजहें हैं। पहली तो यह कि हमेशा छाया में रहने वाले इस हिस्से के बेहद ठंडे क्रेटर्स (गड्ढों) में जमी हुई बर्फ के भंडार हो सकते हैं, जो पानी के बड़े स्रोत होंगे। यहां जीवाश्मों का खजाना मिल सकता है। यहां हीलियम–3 जैसा बहुमूल्य खनिज मिलने की भी उम्मीद जताई जा रही है। एक टन हीलियम की मौजूदा कीमत करीब पांच अरब डालर हो सकती है और अंदाजा है कि चंद्रमा से ढाई लाख टन हीलियम–3 पृथ्वी तक ढोकर लाया जा सकता है। यह ऐसी अकूत संपदा होगी, जिसकी कीमत कई लाख करोड़ डालर मानी जा रही है। इसरो ने दक्षिणी धुव की चट्टानों में लोहे के अलावा मैग्नीशियम, कैल्शियम आदि की मौजूदगी का अंदाजा लगाया है। यह खोजबीन बिना वहां रोवर उतारे मुमकिन नहीं है, जिसकी शुरुआत पहले चंद्रयान–3 और फिर चीनी यान के रोवरों ने कर दी है। अगर चांद पर ये खनिज मिले, वहां भरपूर पानी मिला तो न सिर्फ चंद्रमा पर इंसानी बस्तियां बसाने की संभावनाओं को एक ठोस आधार मिल जाएगा, बल्कि इससे चांद ही नहीं, बल्कि पृथ्वी के निर्माण के नए रहस्यों का खुलासा हो सकता है। हालांकि ज्यादा बड़ा फायदा यह हो सकता है कि भविष्य में मंगल आदि ग्रहों पर भेजे जाने वाले अंतरिक्ष अभियानों के लिए संसाधन मुहैया कराने और पड़ाव के रूप में चंद्रमा का इस्तेमाल हो सकता है। अमेरिका, रूस, जापान और यूरोपीय संघ की चंद्रमा के प्रति दिलचस्पी बढ़ने की एक बड़ी वजह यह भी है कि आगे चलकर चंद्रमा को दुर्लभ अंतरिक्षीय सूचनाओं के केंद्र के रूप में विकसित किया जाने वाला है। यानी हमें ब्रह्मांड के जन्म से लेकर उसके और आगे बढ़ने से जुड़ी वे सारी सूचनाएं मिल सकेंगी, जो शायद इस पूरी कायनात के रहस्य खोल देंगी। भारत के मार्स मिशन– मंगलयान और फिर चंद्रयान–1 और चंद्रयान–3 की कामयाबी ने वह रास्ता दुनिया को दिखाया कि इरादे पक्के हों तो आर्थिक मजबूरियां भी आखिर में घुटने टेक देती हैं। अगर इसरो सूर्य के अध्ययन, चंद्रमा के खनिजों के दोहन और अंतरिक्ष में इंसानों को पहुंचाने वाले गगनयान जैसे कार्यक्रमों के संचालन का दम भरता है, तो कोई उसकी क्षमताओं पर सवाल नहीं उठाता।

राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत समापन सत्र का आयोजन

प्रयागराज। चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय में आज दिनांक 23.9.2024 को राजभाषा पखवाड़े के अंतर्गत समापन सत्र का आयोजन किया गया । इसके अंतर्गत ष्राजभाषा हिंदीरूसमस्या और समाधानष विषय पर मुख्य वक्ता के तौर पर प्रोफेसर भूरेलाल चक्रवर्ती जी(प्रोफेसर, हिंदी विभाग,इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज) ने अपने विचार साझा किये। मुख्य वक्ता को पौधा और स्मृति चिह्न प्रदान करके एवं प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे ने अंगवस्त्रम प्रदान करके कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की ।प्रोफेसर दीनानाथ जी ने स्वागत वक्तव्य देकर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया । राजभाषा पखवाड़ा के 15 दिवसीय कार्यक्रम की विस्तृत आख्या प्रोफेसर सरोज सिंह

(वरिष्ठ आचार्य,हिंदी विभाग)द्वारा प्रस्तुत की गई ।विषय पर बोलते हुए प्रोफेसर भूरे लाल जी ने कहा कि भारत एक बहुभाषिक,बहुधर्मी, बहुत सामुदायिक, बहु सांस्कृतिक देश है फिर भी बहुभाषिकता होने से भी हिंदी को राष्ट्रभाषा होने में कोई समस्या नहीं है क्योंकि भारत के निर्माण में सभी का योगदान है ।हिंदी और उर्दू पर भी प्रकाश डालते हुए हिन्दी भाषा को सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों का संवाहक बताया । उन्होंने यह भी कहा कि राजभाषा के बहाने राष्ट्रभाषा की आवश्यकता की पूर्ति का विधान भी संविधान में किया गया है । छब्म्त्ज के प्रोफेसर कृष्ण कुमार का जिक्र करते हुए कहा कि उनके अनुसार ध्र्मनिरपेक्षता के प्रति वचनबद्ध होते हुए भी हिंदुस्तानी हिंदी कार्य क्षेत्र के बाहर ही रही । डॉ. धर्मवीर के बहाने उन्होंने हिंदी के जीनियस के विकास की बात कही। उन्होंने ये बातें जोर देकर कहा कि अन्य प्रादेशिक भाषाओं के होने के बावजूद हिंदी ही अपने भूगोल को विकसित करने में कामयाब रही ।सुदीप्ति कविराज का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए अन्य भाषाओं की शब्दावलियों को भी ग्रहण करने की जरूरत है । हिंदी का भी अपना स्वतंत्र साहित्यिक सिद्धांत एवं शास्त्र होना आवश्यक बताया ।अतीत की बातें और आत्ममुग्धता को इस महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण हो पाने में बाधक बताया । सांस्कृतिक भय को समाप्त करके हिंदी को और व्यापक करने की आवश्यकता बताई ।हिंदी का अस्मितावादी विमर्श से कोई सरोकार नहीं है। अंत में प्रो भूरेलाल जी ने सूत्रवाक्य मे कहा कि ष हिंदी की आंतरिक शक्ति एवं आत्मिक शक्ति को विकसित करने की जरूरत हैष ।प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे जी ने भी अपने विचार प्रकट किये। प्रोफेसर आभा त्रिपाठी के आभार ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ ।कार्यक्रम में प्रोफेसर सरोज सिंह ,डॉ रमाशंकर सिंह, डॉ राजेंद्र यादव, डॉ जी गणेशन ,डॉ. रंजीत सिंह, डॉ भारती कोरी, डॉ पूजा गौड़, डॉ प्रियंका गोंड उपस्थित रहे ।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ प्रेम शंकर सिंह ने किया ।बच्चों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

सींग का अवैध व्यापार बना अस्तित्व के लिए खतरा

शैलेंद्र सिंह

गैंडों के इकोलॉजिकल महत्व और उनके लुप्त होने की आशंका को उजागर करने के लिए, साल 2010 में अंतर्राष्ट्रीय गैर–सरकारी संगठन वर्ल्ड वाइड फॉर नेचर के दक्षिण अफ्रीकी चौप्टर ने हर साल 22 सितंबर को विश्व गैंडा दिवस मनाने की घोषणा की।

गैंडों के सींग का अवैध व्यापार दुनिया में मौजूद गैंडों की सभी पांच प्रजातियों के लिए एक गंभीर खतरा बन गया है। वास्तव में, जितने भी गैंडों का अवैध शिकार होता है, उसका मुख्य कारण उनके सींग होते हैं। गैंडों के सींगों की मांग एशिया, खासकर चीन में, अत्यधिक है। चीनी लोग गैंडों के लिए शत्रु बनकर उभरे हैं, क्योंकि वे काम शक्ति बढ़ाने, पारंपरिक बीमारियों से मुक्ति, और धन–संपत्ति के लिए अंधविश्वासों के आधार पर गैंडों के सींग खरीदने को तैयार रहते हैं। इस कारण, चाहे अफ्रीका के गैंडे हों या भारत के, इन पर खतरा हमेशा बना रहता है। गैंडों के सींग को चमत्कारिक औषधि के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। लोग इन्हें किसी भी कीमत पर खरीदकर पीसकर बारीक पाउडर बनाते हैं या छोटे–छोटे टुकड़ों में काटकर उबालते हैं और उसका उबला हुआ पानी पीते हैं। गैंडों के इकोलॉजिकल महत्व और उनके लुप्त होने की आशंका को उजागर करने के लिए, साल 2010 में अंतर्राष्ट्रीय गैर–सरकारी संगठन वर्ल्ड वाइड फॉर नेचर के दक्षिण अफ्रीकी चौप्टर ने हर साल 22 सितंबर को विश्व गैंडा दिवस मनाने की घोषणा की। यह दिन गैंडों को बचाने और उनके लिए किए जा रहे बचाव कार्यों का जश्न मनाने का है। इस दिन पूरी दुनिया में गैंडों के अस्तित्व के लिए शांतिपूर्ण प्रदर्शन, स्कूलों और कॉलेजों में कक्षा परियोजनाएं, धन उगाहने वाले रात्रिभोज, नीलामी और पोस्टर प्रदर्शन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। दुनिया में गैंडों की पांच प्रजातियां हैं : काला गैंडा, सफेद गैंडा, एक बड़े सींग वाला गैंडा, सुमात्रा गैंडा और जावन गैंडा। इनमें सबसे महत्वपूर्ण एक सींग वाला भारतीय गैंडा है, जो अपनी सींगों की उच्च मांग के कारण अवैध शिकारियों के खतरे में है। चीन में गैंडों के सींग का उपयोग केवल कामोत्तेजना बढ़ाने के लिए ही नहीं, बल्कि पारंपरिक चिकित्सा में भी किया जाता है। बुखार, गठिया, सिरदर्द, भोजन की विषाक्तता, टाइफाइड जैसी बीमारियों, और उल्टियों के इलाज में गैंडों के सींग का उपयोग किया जाता है। इसके अलावा, गैंडे के सींग को धन और समृद्धि का प्रतीक भी माना जाता है। जबकि साल 1993 से गैंडे के सींग का चिकित्सीय उपयोग अवैध है। 22 सितंबर को गैंडा दिवस मनाना भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि वर्तमान में दुनिया के सभी गैंडों में से 70 प्रतिशत केवल भारतीय गैंडे हैं। भारत होते हैं और ये घास, पत्तियां, फल और पेड़ों की शाखाएं खाते हैं। यह ध्यान देने योग्य है कि भारतीय गैंडे औसतन 55 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकते हैं। 20वीं सदी गैंडे की प्रजनन दर धीमी है, और मादा गैंडा 15 से 16 महीने गर्भधारण करने के बाद दो या तीन बच्चों को जन्म देती है। भारतीय गैंडों की दृष्टि कमजोर होती है, जिससे वे अपनी दैनिक

में गैंडे मुख्य रूप से असम, पश्चिम बंगाल आदि में पाए जाते हैं, जिनमें सबसे अधिक संख्या असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में है। भारतीय गैंडे को वैज्ञानिक रूप से राइनोसेरस यूनिकॉर्निस कहा जाता है। भारतीय गैंडे शाकाहारी की शुरुआत में, जब भारत में केवल 200 गैंडे बचे थे, संरक्षण के प्रयास किए गए, और अब उनकी संख्या 2000 प्रतिशत बढ़ चुकी है। वर्तमान में भारत में लगभग 3,800 गैंडे हैं, जिनमें से वयस्क गैंडों की संख्या 2,400 से 2,600 के बीच है। भारतीय गतिविधियों के लिए सुनने और सूंघने पर निर्भर होते हैं। कुल मिलाकर, इंसानी लालच की तलवार गैंडों पर लटक रही है, और हर साल गैंडा दिवस मनाना आवश्यक है ताकि पूरी दुनिया में गैंडों के प्रति जागरूकता बढ़ सके।

सिक्खों की सहानुभूति बटोरने में नाकाम रहे राहुल गांधी

योगेंद्र योगी

लगातार तीन बार लोकसभा चुनावों में हार के बावजूद कांग्रेस का अल्पसंख्यकों के प्रति मोह कम नहीं हुआ है। कांग्रेस ने लोकसभा सहित चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में तीन में करारी शिकस्त खाने के बावजूद कोई सबक नहीं सीखा है। कांग्रेस बयानों के जरिए यह साबित करने पर तुली हुई कि वह सही मायने अल्पसंख्यकों की खैरख्वाह है। ऐसी राजनीति की कीमत कांग्रेस को चुकानी पड़ी है। दो दशक पहले तक दबे–छिपे तरीके से हिन्दुओं की बात करने वाली भाजपा खुल कर सामने आ गई। इससे देश में हिन्दू–मुस्लिम मतदाताओं का स्पष्ट ध्रुवीकरण नजर आता है। अल्पसंख्यकों की हितैषी साबित करने के लिए कांगेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमरीका में सिक्खों की भारत में सुरक्षा को लेकर बयान देकर संगठन को मुश्किल में डाल दिया। पहले मुसलमानों और अब सिक्खों को लेकर दिए गए बयान से कांग्रेस भाजपा के निशाने पर आ गई। राहुल गांधी के बयान से खालिस्तान की मांग करने वाले पृथक्तावादी संगठन के प्रमुख गुरुपंत सिंह पन्नू को जहर उगलने का मौका मिल गया। राहुल गांधी ने कहा था कि वो अल्पसंख्यकों को उनका हक़ दिलाने और उनको बेखौफ होकर जीने की आजादी दिलाने के लिए लड़ रहे हैं, उनकी लड़ाई इस बात की है कि भारत में सिखों को पगड़ी बांधने में डर न लगे, कड़ा पहनने से कोई न रोके, वे गुरुद्वारों में बेखौफ होकर जा सकें। इसके बाद खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने राहुल गांधी के बयान को बिल्कुल सही बताया। जो बात राहुल गांधी कह रहे हैं, वो बात पन्नू भी मानता है। राहुल और उसकी लाइन एक है। राहुल गांधी की खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने तारीफ कर दी। पन्नू ने एक बयान जारी करके कहा कि राहुल गांधी ने सिखों के बारे में जो कुछ बोला, उसमें खालिस्तान समर्थक संगठन शसिख फॉर जस्टिसश की बात का समर्थन है। बड़ी बात ये है कि राहुल गांधी की बात को उस सिख नौजवान भलिंदर सिंह ने भी गलत बताया जिसका नाम पूछ कर वॉशिंगटन में राहुल ने भारत में सिखों की स्थिति के बारे में गलतबयानी की थी। भलिंदर सिंह विरमानी ने खुद सोशल मीडिया पर अपना वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने उनका नाम पूछकर सिखों को लेकर जो कमेंट किया, वो पूरी तरह गलत था। भलिंदर सिंह ने कहा कि वो खुद भारतीय हैं, कुछ दिनों के लिए अमेरिका आए हैं, उन्होंने भारत में कभी नहीं देखा कि किसी सिख को पगड़ी पहनने या कड़ा पहनने से रोका गया हो या किसी को गुरुद्वारे जाने में कोई दिक्कत हुई हो। देश में सिक्खों को लेकर प्यू रिसर्च सेंटर की सर्वे रिपोर्ट 2021 में प्रकाशित हुई थी। प्यू रिसर्च सेंटर ने यह सर्वे 2019 से 2020 के बीच कराया था। इस सर्वे में महज 14 फीसदी सिखों ने ही माना था कि भारत में सिखों के साथ भेदभाव होता है। मगर अधिकतर सिखों का मानना था कि उन्हें भारत में कोई भेदभाव नहीं दिखता। इस रपोर्ट के मुताबिक, करीब 95 फीसदी सिख खुद को भारतीय होने पर बहुत गर्व करते हैं। इतना ही नहीं, बहुमत यानी 70 फीसदी सिखों का कहा था कि कश्मीर पर भारत का कोई हक़ नहीं है, भारत को कश्मीर छोडऩा ही पड़ेगा। जून 2023 में इल्हान उमर अमेरिका की संसद में भारत के खिलाफ एक प्रस्ताव लेकर आई थीं, जिसमें अमेरिकी विदेश मंत्रालय से अपील की गई थी कि वह भारत को एक ऐसा देश घोषित करे जहां पर धार्मिक स्वतंत्रता लड़ रही उसका इस मुद्दे पर मत कुछ अलग है। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपने घोषणा पत्र में साफ कर दिया है कि अगर हमारी सरकार बनती है तो अनुच्छेद 370 और 35 ए की बहाली की जाएगी। हालांकि नेशनल कान्फ्रेंस किस आधार पर अनुच्छेद 370 की वापसी की बात कर रही है वो समझ से परे है।

मानना है कि जो व्यक्ति भारत का अनादर करता है, वो सिख हो ही नहीं सकता। वॉशिंगटन डीसी में राहुल गांधी ने दुनिया भर में भारत–विरोधी प्रचार करने वाली अमेरिकी सांसद इल्हान उमर से मुलाकात की। इल्हान उमर डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता हैं, वो खुले तौर पर पाकिस्तान की हिमायती हैं, हर मंच पर भारत का विरोध करती हैं। राहुल गांधी अमेरिकी सांसदों के जिस प्रतिनिधिमंडल से मिले, उसमें इल्हान उमर को खासतौर पर बुलाया गया था। इल्हान उमर वही हैं, जिन्होंने 2022 में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जाकर के अधिकार का हनन होता है, जहां मुसलमान सुरक्षित नहीं है। कांग्रेस के नेताओं के पास इस बात का भी जवाब नहीं है कि राहुल गांधी पाकितान समर्थक इल्हान उमर से क्यों मिले? इल्हान तो हमेशा से भारत के खिलाफ रही हैं। कांग्रेस ने हमेशा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग माना है। अनुच्छेद 370 पर राहुल गांधी का ढुलमुल रवैया रहा है। राहुल गांधी जम्मू कश्मीर के दौरे पर पार्टी नेताओं का फीडबैक लेने पहुंचे थे, तब भी वे अनुच्छेद 370 के मुद्दे पर साइलेंट मोड में दिखे थे। हालांकि कांग्रेस जिस दल के साथ मिलकर चुनाव क्योंकि यह साधारण सी बात है कि केंद्र में सत्ता मिलने पर ही अनुच्छेद 370 की वापसी संभव हो सकती है। जाहिर सी बात है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस को केंद्र में बहुमत नहीं मिलने जा रहा है। धारा ३७० की तरह सीएए पर भी राहुल गांधी का रुख बदलता रहा है। वर्ष 2019 में केंद्र सरकार ने सिटिजनशिप अमेंटमेंट एक्ट लागू किया। कांग्रेस ने दिसंबर 2019 में सीएए के खिलाफ कांग्रेस बहुत बड़ा प्रदर्शन आयोजित किया। जिसमें सोनिया गांधी, पूर्व प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह और राहुल गांधी सहित सैकड़ें पार्टी समर्थक राजघाट पर सत्याग्रह पर बैठे थे। लेकिन सीएए लागू होने के बाद चुनावों को देखते हुए कांग्रेस और राहुल गांधी इस मुद्दे पर चुप्पी साध ली थी। लोकसभा चुनावों के दौरान केरल में सीएए एक बहुत बड़ा मुद्दा था। केरल के कम्युनिस्ट पार्टी के मुख्यमंत्री पिनराय विजयन चुनाव अभियान के दौरान लगातार यह साबित करने में लगे रहे कि राहुल गांधी सीएए पर क्यों नहीं बोल रहे हैं। कांग्रेस और राहुल गांधी ने मौके–बेमौके अल्पसंख्यकों को लेकर गहरी चिंता जताई है, किन्तु कांग्रेसशासित राज्यों में अल्पसंख्यकों के भले के लिए क्या अतिरिक्त प्रयास किए गए, इसका खुलासा कभी नहीं किया गया। तीन तलाक के मुद्दे पर कांग्रेस और राहुल गांधी ने केंद्र की भाजपा सरकार का जमकर विरोध किया। जबकि तीन तलाक के मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इसे लागू करने का निर्णय लिया था। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक माफिया और गैंगस्टरों के मामलों में भी कांग्रेस का रवैया सहानुभूतिपूर्ण रहा है। इंडिया गठबंधन के घटक दल समाजवादी पार्टी ने तो खुलकर इन गैंगस्टर्स का खुलकर समर्थन ही नहीं किया बल्कि सत्ता में रहने के दौरान बहुजन समाज पार्टी और सपा ने मंत्री पद तक के ओहदे से नवाजा था। कांग्रेस को यह समझना होगा कि क्षेत्रीय दलों का जनाधार सीमित है, जबकि कांग्रेस प्रमुख विपक्षी दल होने के साथ राष्ट्रीय पार्टी है। ऐसे में अल्पसंख्यकों को रिझाने की राजनीति से भाजपा को ध्रुवीकरण का मौका मिलता रहेगा।

दे दे प्यार दे 2 के सेट से रकुल प्रीत ने दिखाई अपनी डाइट की झलक

> अभिनेत्री के इंस्टाग्राम पर २३.७ मिलियन फॉलोअर्स है। इस प्लेटफॉर्म पर रकुल प्रीत सिंह ने स्टोरीज सेक्शन में अपने फैंस के लिए लंच की फोटो शेयर की। ज्वार की रोटी, करेला और टोफू से सजी प्लेट की फोटो पर अभिनेत्री ने कैप्शन दिया, करेला किसे पसंद है..मुझे तो पसंद है।

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह इन दिनों पंजाब में अपनी अपकंमिग फिल्म दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग में व्यस्त है। उन्होंने अपने फैंस को एक बार फिर अपने मील की झलक दिखाई। उनकी प्लेट में करेला, ज्वार की रोटी और टोफू की सब्जी को देखा जा सकता है। अभिनेत्री के इंस्टाग्राम पर 23.7 मिलियन फॉलोअर्स है। इस प्लेटफॉर्म पर रकुल प्रीत सिंह ने स्टोरीज सेक्शन में अपने फैंस के लिए लंच की फोटो शेयर की। ज्वार की रोटी, करेला और टोफू से सजी प्लेट की फोटो पर अभिनेत्री ने कैप्शन दिया, करेला किसे पसंद है..मुझे तो पसंद है। बता दें कि अपकंमिंग फिल्म दे दे प्यार दे 2 साल 2019 की रोमांटिक कॉमेडी का सीक्वल है। इस फिल्म को लव रंजन ने लिखा था और अकिव अली ने निर्देशित किया था। रकुल के साथ फिल्म में अजय देवगन और तब्बू मुख्य भूमिकाओं में थे। सीक्वल में इस बार अजय और आर माधवन नजर आएंगे। यह फिल्म 1 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। रकुल ने फिल्म एक्टर–प्रोड्यूसर जैकी भगनानी से शादी की है। उन्होंने 21 फरवरी, 2024 को गोवा में शादी की थी। पेशेवर जीवन की बात करें तो रकुल ने 2009 में कन्नड़ फिल्म गिल्ली से अपनी अभिनय यात्रा शुरू की, जो सेल्वाराघवन की 7जी रेनबो कॉलोनी की रीमेक थी। इसके बाद उन्होंने केराटम, वेंकटाद्री एक्सप्रेस, रफ, लौक्यम, करंट थीगा, ब्रूस ली, नन्नाकु प्रेमथो, ध्रुव और जया जानकी नायक जैसी तेलुगु फिल्मों में काम किया। रकुल ने थडियारा थाक्का, पुथागम, येन्नामो येधो, थीरन अधिगारम ओन्ड्रू और बू जैसी तमिल फिल्में भी की हैं। रकुल ने हिंदी सिनेमा में यारियां, अय्यारी, दे दे प्यार दे, सरदार का ग्रैंडसन, रनवे 34, कट्टपुतली, डॉक्टर जी, थैंक गॉड और छतरीवाली जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का जादू बिखेरा है। उन्होंने पिछली बार तमिल विजिलेंट एक्शन फिल्म इंडियन 2 में काम किया था। रकुल के अलावा इसमें सिद्धार्थ, एसजे सूर्या, बॉबी सिम्हा, विवेक, प्रिया भवानी शंकर, गुलशन ग्रोवर, समुथिरकानी और नेदुमुदी वेणु भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। वह पिछली बार एस शंकर के निर्देशन में बनी तमिल एक्शन फिल्म इंडियन 2 में नजर आई थीं। इस फिल्म को लाइका प्रोडक्शंस और रेड जायंट मूवीज ने मिलकर प्रोड्यूस किया था। यह फिल्म 1996 की फिल्म इंडियन का सीक्वल थी जिसमें कमल हासन ने सेनापति की भूमिका फिर से निभाई है। रकुल के अलावा, इसमें सिद्धार्थ, एसजे सूर्या, बॉबी सिम्हा, विवेक, प्रिया भवानी शंकर, गुलशन ग्रोवर, समुथिरकानी और नेदुमुदी वेणु भी अहम भूमिकाओं में हैं। वो मेरी पत्नी का रीमेक में भी दिखेंगी।

अभिनेत्री टीना दत्ता ने फैंस के साथ शेयर किए मालदीव के खास पल

टेलीविजन अभिनेत्री टीना दत्ता ने फैंस के साथ मालदीव में छुट्टियों की पुरानी यादें शेयर की। शो उतरन में अपनी आकर्षक भूमिका के लिए मशहूर दिवा के इंस्टाग्राम पर 4.7 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्होंने इस प्लेटफॉर्म पर अपनी मालदीव की छुट्टियों की कई मनमोहक तस्वीरें शेयर की है। मालदीव की मनमोहक लोकेशन पर टीना सफेद को–ऑर्ड सेट में पोज देती नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने बालों को खास तरीके से स्टाइल किया है। तस्वीर में उन्हें अपनी मां के साथ खूबसूरती का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है। तस्वीर में अभिनेत्री ने अपनी मां मधुमिता दत्ता के साथ शांत नीले समुद्र की खूबसूरती को कैमरे में कैद किया है। साथ ही तस्वीरों में मालदीव के खूबसूरत नजारों को देखा जा सकता है। कोलकाता में जन्मी टीना ने पांच साल की उम्र में शो सिस्टर निवेदिता से अपनी शुरुआत की, उन्होंने बंगाली फिल्म पिता माता संतान के साथ एक बाल कलाकार के रूप में अपनी फिल्मी शुरुआत की। टीना 'दस नंबर बारी', 'चिरोदिनी तुमी जे अमर', 'सागरकन्या' जैसी बंगाली फिल्मों का हिस्सा रही हैं। वह ऐश्वर्या राय के साथ रितुपर्णो घोष की फिल्म 'चोखेर बाली' में भी नजर आईं। उन्होंने विद्या बालन और सैफ अली खान की फिल्म 'परिणीता' में युवा ललिता की भूमिका निभाई। टीना 'दुर्गा', 'फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 7', 'डायन' और हाल ही में 'हम रहे ना रहे हम' जैसे शो का हिस्सा रही हैं। 32 वर्षीय टीना विवादास्पद रियलिटी शो 'बिग बॉस 16' का भी हिस्सा थीं, जिसमें एमसी स्टेन विजेता बनकर उभरे थे।

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने लिया बुडापेस्ट की सबसे तीखी मिर्ची का मजा

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने एक रोमांचक अनुभव शेयर करते हुए कहा कि उन्होंने बुडापेस्ट की सबसे तीखी मिर्ची में से एक को खाने की चुनौती का बहादुरी से सामना किया। अभिनेत्री ने मजाकिया लहजे में इस चुनौती को लेकर कहा कि इस चुनौती ने उन्हें लगभग मार ही डाला था। इंस्टाग्राम पर 44.1 मिलियन फॉलोअर्स वाली परिणीति ने अपना रोमांच बयां करते हुए एक कैंडिड रील वीडियो शेयर किया। उनकी इस रील को उनके चाहने वालों ने बेहद पसंद किया। क्लिप में वह मजाकिया अंदाज में कहती हैं, मैंने अपने जीवन में दो बार सबसे तीखी मिर्च खाई है, एक बार बुडापेस्ट में और दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया में। मैंने बस एक बड़ा चम्मच लिया, लेकिन यह दुनिया की एकमात्र मिर्च थी, जिसने मुझे मार डाला। परिणीति ने पोस्ट को कैप्शन देते हुए लिखा, एपिसोड ऑल थिंग्स फूड। परिणीति के करियर की बात करें तो उन्होंने यश राज फिल्म्स में जनसंपर्क सलाहकार के रूप में काम किया था। इसके बाद उन्होंने 2011 में यश राज फिल्म्स की रोमांटिक कॉमेडी लेडीज वर्सेस रिकी बहल में रणवीर सिंह और अनुष्का शर्मा के साथ अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद वह शुद्ध देसी रोमांस, हंसी तो फंसी, जबरिया जोड़ी, द गर्ल ऑन द ट्रेन, गोलमाल अगेन, संदीप और पिंकी फरार और मिशन रानीगंज जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। परिणीति पिछली बार बायोग्राफिकल म्यूजिकल ड्रामा अमर सिंह चमकीला में अमरजोत कौर का किरदार निभाती नजर आई। इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ मुख्य भूमिका में हैं। यह पंजाब के रॉकस्टार कहे जाने वाले अपने समय के सबसे ज्यादा रिकॉर्ड बेचने वाले कलाकार अमर सिंह चमकीला की अनकही सच्ची कहानी को बयां करती है। फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। अभिनेत्री की पर्सनल लाइफ के बात करें तो उन्होंने 24 सितंबर, 2023 को उदयपुर के एक निजी आलीशान होटल में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता राघव चड्ढा के साथ शादी की।

अभिषेक बच्चन, इनायत वर्मा स्टारर डांस फिल्म 'बी हैप्पी' का फर्स्ट लुक आया सामने

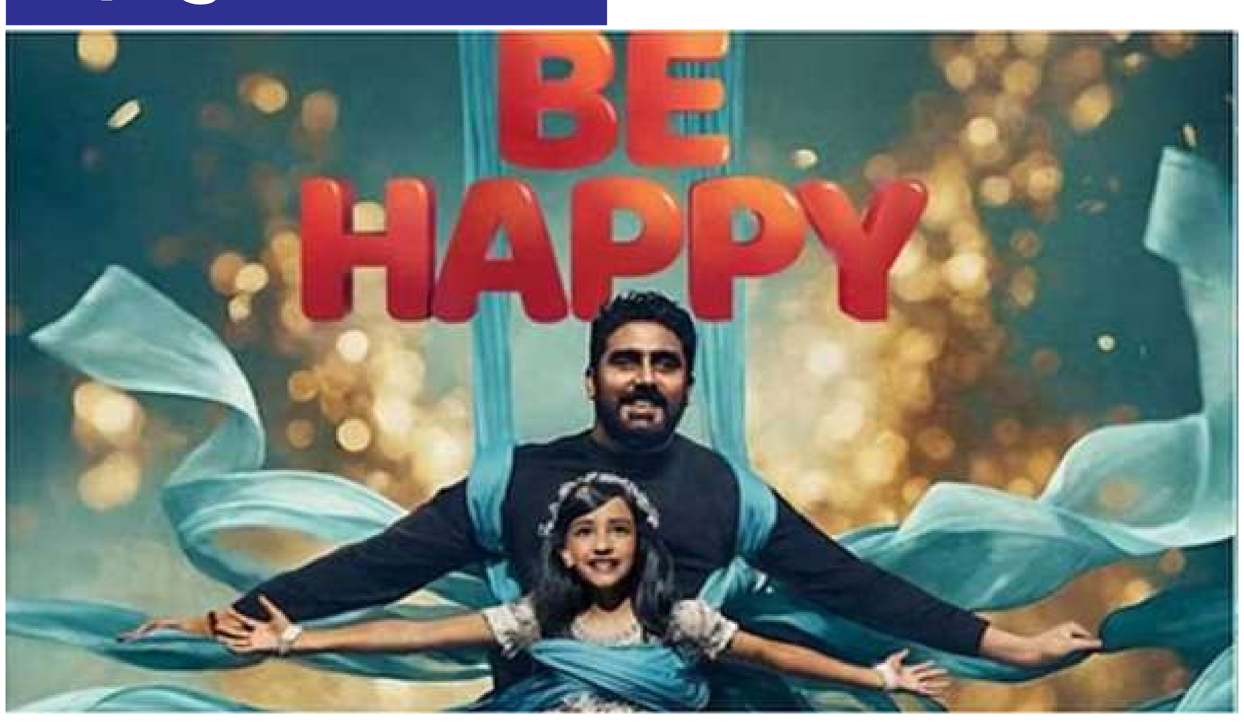

अभिषेक बच्चन, नोरा फतेही, नासिर और इनायत वर्मा अभिनीत आगामी फिल्म बी हैप्पी के निर्माताओं ने डांस ड्रामा फिल्म का पहला लुक शेयर किया। सोशल मीडिया पर निर्माताओं की ओर से शेयर किए गए पोस्टर में अभिषेक और इनायत की एक तस्वीर देखी जा सकती है। इसमें पिता–पुत्री की जोड़ी किसी डांस फॉर्म को करती हुई दिखाई दे रही है। निर्माताओं ने शेयर किए गए पोस्टर पर कैप्शन देते हुए लिखा, "आपके दिलों में जगह बनाने के लिए पूरी तरह तैयार। रेमो डिसूजा द्वारा निर्देशित 'बी हैप्पी' एक समर्पित पिता और उसकी बुद्धिमान और मजाकिया बेटी के बीच की कहानी है। जो देश के सबसे बड़े डांस रियलिटी शो में प्रदर्शन करने का सपना देखती है। इस बारे में बात करते हुए रेमो ने कहा, फिल्म 'बी हैप्पी' एक अकेले पिता के भारत के सबसे बड़े डांस रियलिटी शो में अपनी बेटी के प्रदर्शन के सपने को पूरा करने की दिल छू लेने वाली कहानी है। मुझे अपने दर्शकों को एक खूबसूरत पोस्टर के साथ पहली झलक दिखाने में खुशी हो रही है जो पिता–बेटी के रिश्ते को दर्शाता है। एबीसीडी, ए फ्लाइंग जट और रेस 3 जैसी फिल्मों का निर्देशन करने वाले रेमो ने आगे कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शक इस भावनात्मक कहानी से जुड़ाव महसूस करेंगे। इसका प्रीमियर जल्द ही प्राइम वीडियो पर होगा। रेमो डिसूजा एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के बैनर तले रेमो की पत्नी लिजेल रेमो डिसूजा द्वारा निर्मित इस फिल्म में जॉनी लीवर और हरलीन सेठी भी सहायक भूमिकाओं में हैं। फिल्म में अभिषेक ने शिव रस्तोगी नामक एक पिता का किरदार निभाया है, जो अपनी बेटी के सपनों को पूरा करने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। प्राइम वीडियो इंडिया में इंडिया ओरिजिनल्स के प्रमुख निखिल मधोक ने कहा, हम नई और भरोसेमंद कहानियां लेकर आना चाहते है जो हमारे दर्शकों का मनोरंजन करने के साथ ही गहराई से उनके साथ जुड़ सके। यह फिल्म रेमो और लिजेल के साथ हमारा पहला सहयोग है, जिन्होंने इस कहानी को भावनात्मक रूप से समृद्ध अनुभव में गढ़ा है। बी हैप्पी जल्द ही प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाली है।

विजय वर्मा ने जाने जान की शूटिंग के दौरान करीना कपूर खान के खास पल किए शेयर

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म द बकिंघम मर्डर्स में नजर आई बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान ने शनिवार को 44वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर बी–टाउन सेलेब्स ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। स्ट्रीमिंग थ्रिलर फिल्म 'जाने जान' में करीना के साथ स्क्रीन शेयर करने वाले अभिनेता विजय वर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म की मेकिंग से एक क्लिप शेयर की। इंस्टाग्राम रील में करीना एक क्लब में 'आ जाने जान' गाने पर लिप–सिंक करती नजर आ रही हैं। इसमें दोनों डांस करते हुए भी दिखाई देते हैं। अभिनेत्री को उनके जन्मदिन पर बधाई देते हुए विजय ने कैप्शन में लिखा, "हैप्पी बर्थडे दिवा। 'कहानी' फेम सुजॉय घोष द्वारा निर्देशित 'जाने जान' कीगो हिगाशिनो द्वारा 2005 में लिखे गए जापानी उपन्यास 'द डेवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स' का रूपांतरण है। इस फिल्म में करीना कपूर खान ने जयदीप अहलावत और विजय वर्मा के साथ एक हत्या में शामिल एकल मां की भूमिका निभाई है। इस फिल्म का निर्माण 12वीं स्ट्रीट एंटरटेनमेंट और नॉर्दर्न लाइट्स फिल्म्स के बैनर तले क्रॉस पिक्चर्स और बालाजी मोशन पिक्चर्स के सहयोग से किया गया था। इसे पिछले साल करीना के जन्मदिन के अवसर पर नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया था। इस बीच विजय को हाल ही में रिलीज हुई स्ट्रीमिंग सीरीज 'आईसी 814 द कंधार हाईजैक' में देखा जा सकता है, जिसमें वह एक कमर्शियल पायलट कैप्टन शरण की भूमिका निभा रहे हैं। आतंकवादियों के नाम स्पष्ट रूप से न बताने के कारण सोशल मीडिया पर आलोचना झेलने वाली यह सीरीज 1999 में आतंकवादी संगठन हरकत–उल–मुजाहिदीन के 5 सदस्यों द्वारा इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट 814 को हाईजैक करने की घटना पर आधारित है। इस सीरीज का निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है और यह नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

घर हमेशा रहता है बिखरा-बिखरा तो वर्टिकल स्पेस का भी करें इस्तेमाल

आज के समय में बड़ा और आलिशान घर लेना हर किसी के लिए संभव नहीं है। ऐसे बहुत से लोग हैं जो या तो किराए के मकान में रहते हैं या फिर उनका काफी छोटा होता है। अगर आपका भी वनबीएचके घर है तो ऐसे में आपको अक्सर अपना सामान आर्गेनाइज तरीके से रखने में परेशानी होती होगी। ऐसे घरों में स्पेस कम होने की वजह से सामान अक्सर बिखरा रहता है। अमूमन यह देखने में आता है कि लोगों को समझ ही नहीं आता है कि वह कम स्पेस में हर चीज को आर्गेनाइज किस तरह करें। अगर आपको भी ऐसी ही समस्या का सामना करना पड़ता है तो आप घर के वर्टिकल स्पेस को इस्तेमाल करने पर विचार करें। इससे आप बेहद ही आसानी से अपने घर को साफ-सुथरा व आर्गेनाइज रख पाएंगे। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप वर्टिकल स्पेस का मैक्सिमम तरीके से इस्तेमाल कर सकते हैं-

बनवाएं फ़्लोटिंग शेल्फ़

वर्टिकल स्पेस को अगर आप एक स्टाइलिश तरीके से इस्तेमाल करना चाहते हैं तो ऐसे में फ़्लोटिंग शेल्फ़ बनवाना एक अच्छा आइडिया हो सकता है। इससे आपका घर मॉडर्न लुक देता है। आप फ़्लोटिंग शेल्फ़ को अपने लिविंग रूम से लेकर बेडरूम या किचन आदि में बनवा सकते हैं। फ़्लोटिंग शेल्फ़ की मदद से आप अपने घर में किताबें, डेकोरेटिव आइटम्स, रसोई का सामान या प्लांट्स आदि बेहद आसानी से रख सकते हैं।

हैंगिंग बास्केट और रैक

घर में हैंगिंग बास्केट और रैक की मदद से भी बहुत सारा सामान आर्गेनाइज्ड तरीके से रखा जा सकता है। मसलन, अगर आप किचन में हैंगिंग बास्केट या रैक का इस्तेमाल करते हैं तो इससे फलों, बर्तनों या मसालों को स्टोर करना काफी आसान हो जाता है और इससे आपकी किचन का काउंटर स्पेस काफी हद तक खाली हो जाता है। इसी तरह, हैंगिंग बाथरूम बास्केट की मदद से आप टॉयलेटरीज़, तौलिए और नहाने के ज़रूरी सामान को आसानी से स्टोर किया जा सकता है।

पेगबोर्ड

पेगबोर्ड वर्टिकल स्पेस को इस्तेमाल करने का एक क्रिएटिव तरीका है। पेगबोर्ड बेहद ही वर्सेटाइल होते हैं और आप इन्हें बच्चों के कमरे से लेकर होम ऑफिस, किचन यहां तक कि गैराज आदि में भी आसानी से इस्तेमाल कर सकते हैं। आप अपना जरूरी सामान व छोटी बास्केट हुक पर लटका सकते हैं और इन्हें अपनी ज़रूरतों के आधार पर आसानी से रि-अरेंज भी कर सकते हैं।

स्वस्थ दिल से लेकर वजन कंट्रोल करने के लिए अंडा सबसे फायदेमंद, किस तरह से करें सेवन

अक्सर आपने सुना होगा संडे हो या मंडे रोज खाओं अंडे। क्योंकि अंडा खाना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। वैसे अंडे में सबसे ज्यादा प्रोटीन मौजूद होता है। इसके साथ ही इसमें विटामिन और मिनरल्स भी पाए जाते हैं। रोजाना दो अंडे खाने से शरीर भी स्वस्थ रहता है। अंडा खाने से हड्डियां और मांसपेशियां मजबूत होती हैं। आंखों और दिल के लिए भी अच्छा माना जाता है। अंडे में ओमेगा 3 फैटी एसिड होता है, जो हार्ट को बेहतर बनाने में मदद करता है। इतना ही नहीं, अंडे में ल्यूटिन और जेक्सैंथिन होते हैं, जो मोतियाबंद के खतरे को कम करता है।

अंडे में होता है भरपूर प्रोटीन

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए प्रोटीन की जरुरत काफी होती है। वयस्कों को अपने वजन के हर किलोग्राम के लिए रोजाना आपको 0.8 ग्राम प्रोटीन की जरुरत होती है। अंडे में पर्याप्त प्रोटीन होता है। फलियों और मीट को भी आप अपने डाइट में शमिल कर सकते हैं।

विटामिन ए से भूरपूर अंडा

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन ए काफी जरुरी है। यह हमारे आई हेल्थ, मेटाबॉलिज्म और सेल्स डेवलपमेंट के लिए जरुरी है। इसके अलावा यह हमारे इम्यून फंक्शन और स्किन के लिए भी आवश्यक होता है। प्रत्येक व्यक्ति को रोजाना लगभग 3000 प्ट विटामिन ए की जरुरत होती है। यदि आप रोजाना दो उबले अंडे का सेवन करते हैं तो आपको विटामिन ए पर्याप्त मात्रा में मिलेगा।

विटामिन डी मिलता है

रोजाना आप 2 उबले अंडा खाते हैं तो आपको 82 प्ट विटामिन डी प्राप्त होगा। हड्डियों के लिए विटामिन डी सबसे जरुरी माना जाता है। इसके साथ ही यह इम्यून सिस्टम के लिए सबसे बेहतरीन होता है। अगर आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में विटामिन डी नहीं मिले तो हड्डियों से जुड़े रोग होने की संभावना बढ़ जाती है।

विटामिन बी2 और विटामिन बी12 मिलता

आंखों और स्किन के लिए विटामिन बी2 की जरुरी माना जाता है। प्रतिदिन अंडा खाने से विटामिन बी2 प्राप्त होता है। वहीं, विटामिन बी12 से शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं का निर्माण होता है जो शरीर के सभी हिस्सों में ऑक्सीजन पहुंचाता है। इसलिए रोजाना 2 माइक्रोग्राम विटामिन बी12 की जरुरत होती है। वहीं, एक व्यक्ति को प्रतिदिन 1.3 मिलीग्राम विटामिन बी2 होना चाहिए।

अंडे में फोलेट, आयरन और जिंक होता है

अंडा में आयरन, जिंक और फोलेट भी पाया जाता है। कम से कम रोजाना 400 माइक्रोग्राम फोलेट की जरुरत होती है। आप अंडे के साथ ही प्रोटीन रिच और भी चीजों को डाइट में शामिल कर सकते हैं। अंडे में 1.2 मिलीग्राम आयरन होता है। आयरन शरीर में हीमोग्लोबिन के उत्पादन करता है। वहीं, इसके साथ ही अंडे में जिंक 1.1 मिलीग्राम पाया जाता है। दरअसल, जिंक इम्यून फंक्शन को भी ठीक करता है।

सुबह उठते ही करते हैं ये काम? हो सकता है सेहत को बड़ा नुकसान

क्या आप सुबह उठते ही सबसे पहले चाय पीते हैं? अगर हां, तो ये आदत आपकी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकती है। खाली पेट चाय पीने से एसिडिटी, पाचन तंत्र में समस्या, ब्लड शुगर के उतार-चढ़ाव और समय से पहले बुढ़ापा आने जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। साथ ही, इससे आपकी नींद में खलल पड़ता है और शरीर की इम्यूनिटी कमजोर हो सकती है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कैसे ये रोजमर्रा की आदत आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा रही है और इसके बजाय आपको सुबह के समय कौन-सी स्वस्थ आदतें अपनानी चाहिए।

खाली पेट चाय पीने से एसिडिटी का खतरा

चाय में मौजूद कैफीन और टैनिन्स पेट में एसिड की मात्रा बढ़ा सकते हैं, जिससे एसिडिटी और गैस की समस्या हो सकती है। खासकर जब इसे खाली पेट पिया जाए, तो यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है। एसिडिटी का लंबे समय तक बने रहना पेट के अल्सर और अन्य गैस्ट्रिक समस्याओं का कारण बन सकता है।

पाचन तंत्र पर बुरा असर

सुबह खाली पेट चाय पीने से पाचन तंत्र पर बुरा असर पड़ सकता है। इससे पाचन क्रिया धीमी हो सकती है और भोजन का सही तरीके से पाचन नहीं हो पाता। इसके अलावा, चाय में मौजूद कैफीन शरीर के पानी की मात्रा को कम कर सकता है, जिससे डिहाइड्रेशन हो सकता है।

चाय से ब्लड शुगर स्तर में उतार-चढ़ाव

खाली पेट चाय पीने से ब्लड शुगर के स्तर में भी उतार-चढ़ाव हो सकता है, जिससे दिनभर कमजोरी, चिड़चिड़ापन और ध्यान केंद्रित करने में समस्या हो सकती है। यह समस्या विशेष रूप से उन लोगों में होती है जिन्हें पहले से मधुमेह की समस्या हो।

उम्र से पहले बुढ़ापा आना

अगर आप रोजाना सुबह खाली पेट चाय पीते हैं तो इससे आपकी त्वचा पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। कैफीन के कारण शरीर में पानी की कमी हो सकती है, जिससे त्वचा सूखने लगती है और एजिंग के लक्षण जैसे झुर्रियां और त्वचा का ढीलापन जल्दी दिखाई देने लगता है।

नींद में खलल

सुबह की चाय के बाद दिनभर में कई लोग बार-बार चाय का सेवन करते हैं। इससे शरीर में कैफीन की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे नींद पर भी असर पड़ता है। लगातार कैफीन के सेवन से नींद की गुणवत्ता खराब हो सकती है और अनिद्रा जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

आंतों में बैक्टीरिया का असंतुलन

खाली पेट चाय पीने से आंतों में अच्छे बैक्टीरिया का संतुलन बिगड़ सकता है, जो कि शरीर की इम्यूनिटी के लिए जरूरी होते हैं। इससे इम्यून सिस्टम कमजोर हो सकता है और आप विभिन्न संक्रमणों का शिकार हो सकते हैं।

क्या करें? स्वस्थ आदतें अपनाएं

सुबह उठते ही चाय पीने के बजाय कुछ हेल्दी आदतों को अपनाना चाहिए। यहां कुछ सुझाव दिए जा रहे हैं

1. गुनगुना पानी सुबह खाली पेट गुनगुना पानी पीना पाचन तंत्र को साफ करता है और मेटाबोलिज्म को बढ़ावा देता है।

2. नींबू पानी नींबू पानी का सेवन शरीर से टॉक्सिन्स निकालने में मदद करता है।

3. ग्रीन टी अगर आपको चाय पीने की आदत है, तो ग्रीन टी एक बेहतर चॉइस हो सकती है। इसमें एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं जो शरीर को ताजगी देते हैं।

4. नारियल पानी नारियल पानी इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर होता है और शरीर को हाइड्रेटेड रखता है।

सुबह उठते ही चाय पीने की आदत धीरे-धीरे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती है। यह आपके पाचन तंत्र, त्वचा, और नींद पर बुरा असर डाल सकता है। इसलिए सुबह के समय हेल्दी आदतों को अपनाएं और अपने शरीर को लंबे समय तक स्वस्थ रखें।

पितृ पक्ष में जन्मे बच्चे होते हैं बेहद भाग्यशाली

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का विशेष महत्व है जो भाद्रपद माह की पूर्णिमा से लेकर आश्विन मास की अमावस्या तक चलता है। इस दौरान श्रद्धालु अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण, श्राद्ध और पिंडदान करते हैं। लेकिन इस अवधि में जन्मे बच्चों का भविष्य किस तरह का होता है।

आइए जानते हैं एस्ट्रोलॉजर नरेश कुमार जी से। पितृ पक्ष का मतलब है अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और सम्मान प्रकट करना। इस समय किसी भी शुभ कार्य को करने की मनाही होती है लेकिन इसे जन्मे बच्चों के भाग्य को लेकर कई सकारात्मक मान्यताएं हैं।

पितृ पक्ष में जन्मे बच्चों का भविष्य

विशेष कृपा

ज्योतिष के अनुसार, पितृ पक्ष में जन्म लेने वाले बच्चे अपने कुल के पूर्वज माने जाते हैं। इन्हें पितरों की विशेष कृपा प्राप्त होती है, जिससे इनका भविष्य बहुत उज्जवल होता है। माना जाता है कि ऐसे बच्चे अपने परिवार के उत्थान का काम करते हैं और परिवार के सदस्यों को महत्वपूर्ण मानते हैं।

बुद्धिमत्ता और समझदारी

पितृ पक्ष में जन्मे बच्चे कम उम्र में ही समझदार और ज्ञानी हो जाते हैं। इनकी बुद्धिमत्ता और क्षमता उन्हें जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में नाम और यश दिलाने में मदद करती है। ऐसे बच्चे अपनी उम्र के मुकाबले ज्यादा परिपक्व होते हैं और हमेशा अपने परिवार के प्रति समर्पित रहते हैं।

चंद्रमा की स्थिति

हालांकि, पितृ पक्ष के दौरान जन्मे कुछ बच्चों की कुंडली में चंद्रमा कमजोर हो सकता है। चंद्रमा की कमजोरी तनाव और अवसाद का कारण बन सकती है। ऐसे में बेहतर होगा कि चंद्रमा को मजबूत करने के लिए ज्योतिषीय उपाय किए जाएं, जैसे कि चाँद से संबंधित मंत्रों का जाप या चाँदी के ताबीज का उपयोग।

पितृ पक्ष में जन्मे बच्चों की कुंडली

पितृ पक्ष, हिंदू धर्म में पूर्वजों को श्रद्धांजलि देने का समय है। इस दौरान जन्मे बच्चों को अपने पूर्वजों की कृपा का आशीर्वाद प्राप्त होता है, जो उन्हें विशेष क्षमताएं और समझ प्रदान करता है। यह माना जाता है कि ये बच्चे अपने कुल के पूर्वजों की आत्माएँ होती हैं, जो उन्हें परिवार के उत्थान में मदद करती हैं।

कमजोर चंद्रमा के प्रभाव

यदि कुंडली में चंद्रमा कमजोर है, तो इसका असर तनाव, अवसाद, और भावनात्मक असंतुलन के रूप में देखा जा सकता है। यह बच्चे के जीवन में चुनौतियाँ पैदा कर सकता है, जैसे आत्म-सम्मान की कमी या सामाजिक समर्पण में समस्या।

धन-मान-सम्मान

इन बच्चों का भविष्य धन-दौलत से परिपूर्ण होता है। चाहे वे किसी भी क्षेत्र में जाएं, उन्हें मान-सम्मान मिलता है। पितृ पक्ष में जन्मे बच्चे अपने मेहनत और लगन के बल पर समाज में एक प्रतिष्ठित स्थान बना लेते हैं। पितृ पक्ष में जन्मे बच्चे विशेष भाग्यशाली होते हैं। इन्हें अपने पूर्वजों की कृपा प्राप्त होती है, जिससे उनका भविष्य उज्जवल होता है। हालांकि, अगर चंद्रमा की स्थिति कमजोर हो, तो कुछ ज्योतिषीय उपाय करना फायदेमंद हो सकता है। ऐसे बच्चे न केवल अपने परिवार का नाम रोशन करते हैं, बल्कि समाज में भी एक सकारात्मक छाप छोड़ते हैं।

हर किसी की वैनिटी किट में होने चाहिए ये मेकअप प्रोडक्ट्स, मिलेगा लॉन्ग लास्टिक लुक

मेकअप करना हर लड़की व महिला को पसंद होता है। लेकिन वैनिटी किट की सभी चीजों को अलग-अलग खरीदना महंगा पड़ता है। ऑनलाइन मेकअप प्रोडक्ट खरीदने से आपको तमाम वेरायटी मिलती है। ऐसे में आप अपनी जरूरत के हिसाब से प्रोडक्ट्स चुन सकती हैं। ऐसे में हमने आपके लिए जाने-माने ब्रैंड्स के प्रोडक्ट्स की लिस्ट लेकर आए हैं। जिससे आपको क्वलिटी किट चुनने में मदद मिलती है। आप चाहें तो इनको अपने लिए इस्तेमाल कर सकती हैं या फिर किसी को गिफ्ट भी कर सकती है। वहीं आपके लिए यह मेकअप किट आपकी सच्ची हमसफर साबित हो सकती है।

सुगर कॉस्मेटिक्स का यह मेकअप किट आप रोजाना इस्तेमाल में ला सकती हैं। इस मेकअप किट में आपको मस्कारा, काजल, लिपस्टिक और फेस पैलेट के साथ फ्री पाउच मिलता है। कॉम्पैक्ट साइज के कारण इसको गिफ्ट के तौर पर भी दे सकती हैं। इसमें सभी प्रोडक्ट मैट फिनिश में आते हैं। इसको इस्तेमाल करने से आप स्मजप्रूफ और लाइटवेट मेकअप मिलता है। यह मेकअप किट सभी स्किन टोन की महिलाएं इस्तेमाल कर सकती हैं।

इस मेकअप किट में आपको फाउंडेशन, प्राइमर, लिपस्टिक, कॉम्पैक्ट और काजल समेत 6 आइटम्स मिलते हैं। जो आपको लॉन्ग लास्टिंग फुल कवरेज देते हैं। इसको आप ब्राइडल मेकअप के लिए भी इस्तेमाल कर सकती हैं। यह मेकअप किट पैराबेन, अल्कोहल, सल्फेट और मिनरल ऑयल से मुक्त है। आप इसको किसी भी सीजन में आराम से इस्तेमाल कर सकती हैं।

प्रोफेशनल का यह वाटरप्रूफ मेकअप किट लड़कियां और महिलाएं इस्तेमाल कर सकते हैं। क्योंकि इसमें आपको मेकअप के सभी प्रोडक्ट्स फुल सेट में मिलते हैं। आप इस किट के साथ दिन और रात के हिसाब से अलग मेकअप कर सकती हैं। इससे लॉन्ग लास्टिंग मेकअप इफेक्ट मिलता है, जिस पर गर्मी और पसीने का भी असर नहीं होता है। इसमें आपको मैट फिनिश मेकअप मिलता है।

फेस कनाडा की मेकअप किट में आपको लिपस्टिक, काजल, मस्कारा और आईलाइनर के अलावा एक ब्यूटी ब्लेंडर भी मिलता है। इस मेकअप किट से आपको ग्लोइंग मैट फिनिश मेकअप और ग्लैमरल लुक मिलता है। यह हर तरह की स्किन टोन के लिए परफेक्ट है।

सुनिसा के ऑल इन वन मेकअप किट में आपको कॉम्पैक्ट पाउडर, स्पंज, 4 मैट लिपस्टिक सेट, एक मेकअप रिमूवर पैड, आई लैशेज, फाउंडेशन, 18 आईशैडो किट, मेकअप फिक्सर और मल्टीकलर मेकअप प्राइमर मिलता है। इस ऑल इन वन मेकअप किट में आपको फ्रेश, वॉटरप्रूफ और लॉन्ग लास्टिक मेकअप मिलता है।

संक्षिप्त

शानदार रिकॉर्ड के साथ खुला शेयर बाजार, ऑल टाइम हाई पर पहुंचे सेंसेक्स-निफ्टी

घरेलू शेयर बाजार की शानदार रैली सप्ताह के पहले दिन भी बरकरार रह सकती है। बाजार खुलने के साथ ही ऐसे संकेत मिले हैं कि बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी ने 23 सितंबर को रिकॉर्ड स्तर को छुआ है। बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी ने नई ऊंचाइयां छुई है। घरेलू बाजार ने इसके साथ ही नया रिकॉर्ड बना लिया है। जानकारी के मुताबिक बाजार खुलते ही सुबह 9.15 मिनट पर सेंसेक्स लगभग 300 अंक के लाभ में रहा था। वहीं निफ्टी भी 80 अंक ऊपर कारोबार कर रहा था। इसका स्तर 25,872.55 रहा था। ये निफ्टी का रिकॉर्ड उच्चतम स्तर है। जानकारी के मुताबिक बाजार खुलते ही सुबह 9.15 मिनट पर सेंसेक्स लगभग 300 अंक के लाभ में रहा था। वहीं निफ्टी भी 80 अंक ऊपर कारोबार कर रहा था। इसका स्तर 25,872.55 रहा था। ये निफ्टी का रिकॉर्ड उच्चतम स्तर है। विदेशी पूंजी के प्रवाह और एशियाई बाजारों में तेजी के बीच घरेलू शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को शुरुआती कारोबार में अपने नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। बीएसई का 30 शेयर वाला सेंसेक्स 318.58 अंक उछलकर 84,862.89 अंक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 120.75 अंक की बढ़त के साथ 25,911.70 अंक के नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर रहा। सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, एनटीपीसी, भारतीय स्टेट बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील और टाटा मोटर्स के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, जेएसडब्ल्यू स्टील और आईटीसी के शेयरों को नुकसान हुआ। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कम्पोजिट फायदे में रहे। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.75 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75.05 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 14,064.05 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

स्पाइसजेट ने क्यूआईपी के जरिये जुटाए 3,000 करोड़ रुपये

घरेलू विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 3,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। स्पाइसजेट ने बयान में कहा, क्यूआईपी 16 सितंबर को खुला और 18 सितंबर को बंद हुआ। इसमें योग्य निवेशकों की अच्छी प्रतिक्रिया के साथ काफी अधिक अभिदान मिला। यह कंपनी की वृद्धि संभावनाओं में मजबूत विश्वास को दर्शाता है। कंपनी ने कहा,

3,000 करोड़ रुपये के वित्तपोषण के अलावा उसे पिछले वित्तपोषण दौर से 736 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि भी मिली। इससे उसकी वित्तीय स्थिरता तथा वृद्धि योजनाओं को और बढ़ावा मिलेगा। स्पाइसजेट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा, '' निवेशकों और संस्थानों की ओर से मिली मजबूत प्रतिक्रिया स्पाइसजेट की तेजी से विस्तार करने और भारत के उभरते विमानन बाजार में एक मजबूत कंपनी बनने की क्षमता में उनके विश्वास का प्रमाण है।'' विमानन कंपनी के कहा, इस पूंजी निवेश के साथ एयरलाइन अपने परिचालन को मजबूत करने, अपने बेड़े को बढ़ाने और बढ़ती यात्री मांग को पूरा करने के लिए अपने तंत्र का विस्तार करने के लिए तैयार है।

कानपुर टेस्ट में इस स्टार खिलाड़ी को मिलेगा मौका! जानें ग्रीन पार्क के रिकॉर्ड्स और पिच

कानपुर के ग्रीन पार्क में भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट खेला जाना है। चेन्नई में हुए पहले टेस्ट को 280 रनों से जीतकर टीम इंडिया सीरीज में 1-0 से आगे है। कानपुर में अब टीम इंडिया की नजरें सीरीज जीतने पर होंगी। ऐसे में कहा जा रहा है कि रोहित शर्मा पिच को देखकर प्लेइंग इलेवन में बदलाव कर सकते हैं।

भारत और बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैच की सीरीज का दूसरा मुकाबला कानपुर के ग्रीन पार्क में खेला जाना है। चेन्नई में हुए पहले टेस्ट को 280 रनों से जीतकर टीम इंडिया सीरीज में 1-0 से आगे है। कानपुर में अब टीम इंडिया की नजरें सीरीज जीतने पर होंगी। ऐसे में कहा जा रहा है कि रोहित शर्मा पिच को देखकर प्लेइंग इलेवन में बदलाव कर सकते हैं।

फिलहाल, कानपुर की पिच फ्रेंडली है, ऐसे में आकाशदीप या मोहम्मद सिराज में से किसी एक को मौका मिलेगा। किसी एक तेज गेदंबाज की जगह रोहित शर्मा अतिरिक्त स्पिनर को मौका दे सकते हैं। कानपुर के ग्रीन पार्क में अभी तक कुल 23 मैच खेले गए हैं जिसमें 616 विकेट गिरी है। इनमें से 260 विकेट तेज गेंदबाजों ने तो 346 विकेट स्पिनर्स ने लिए हैं। वहीं 1 जनवरी 2000 से इस मैदान पर 5 टेस्ट मैच खेले गए हैं, जिसमें कुल 153 विकेट गिरे हैं।

इस ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने बुमराह की तारीफ में पढ़े कसीदे, बताया हर प्रारूप का सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रलिया के बीच साल के अंत में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज होनी है। इससे पहले ही कंगारू टीम के स्टार बल्लेबाज और पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर सराहना की है। स्मिथ ने बुमराह को सभी प्रारूप का सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज बताया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से पर्थ में होने वाले टेस्ट मैच से सीरीज की शुरुआत होगी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया से पिछली दो टेस्ट सीरीज जीती है। भारत को अगर इस टीम के खिलाफ जीत की हैट्रिक लगानी है तो बुमराह का योगदान काफी अहम रहेगा। बुमराह पर ऑस्ट्रेलिया में प्रदर्शन करने की जिम्मेदारी होगी। बुमराह ने बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था और मेहमान टीम की पहली पारी जल्द समेटने में अहम भूमिका निभाई थी। स्मिथ ने एक स्पोर्ट्स चौनल से कहा, बुमराह शानदार गेंदबाज हैं। मैं उनका सामना नई गेंद, थोड़ी पुरानी गेंद या पुरानी गेंद से करूं, उनके नाम सभी तरह से बल्लेबाज को परेशान करने की प्रतिभा है। बुमराह सभी तीनों प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज हैं। उनके खिलाफ खेलना हमेशा से ही चुनौतीपूर्ण होता है।

टेस्ट में 10000 रन का आंकड़ा पार करने के करीब स्मिथ

ऑस्ट्रेलिया का यह 35 वर्षीय बल्लेबाज पिछली कुछ सीरीज से ओपनिंग करता आया है और माना जा रहा है कि भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी स्मिथ इस स्थान पर बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे। डेविड वॉर्नर के संन्यास लेने के बाद से बाद ऑस्ट्रेलिया में ओपनिंग जोड़ी को लेकर चर्चा चल रही है। स्मिथ ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज हैं और उन्होंने कंगारू टीम के लिए 109 टेस्ट खेले हैं। स्मिथ के नाम लाल गेंद के इस प्रारूप में फिलहाल 9685 रन हैं और उनकी नजरें भारत के खिलाफ टेस्ट में 10000 रन का आंकड़ा पूरा करने पर टिकी होंगी।

प्रभाव छोड़ने में सफल रहे हैं बुमराह

भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ बुमराह ने जनवरी 2018 में टेस्ट डेब्यू करने के बाद से अपना प्रभाव छोड़ा है। वह अब तक 37 मैचों में 164 विकेट ले चुके हैं। भारत को कई मैच जिताने में बुमराह का अहम योगदान रहा था। उन्होंने इस साल जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए टी20 विश्व कप में भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया था और टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

रतन टाटा की उत्तराधिकारी हैं ये महिला, जानिए उनके बारे जो संभालने वाली है टाटा ग्रुप की अरबों डॉलर की संपत्ति

ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतनें अब सिर्फ पुरुषों का ही वर्चस्व नहीं रहा है। हर अग्रिम मोर्चे पर महिलाओं खुद को साबित करने में जुटी हुई है। महिलाएं सिर्फ केवल खेल जगत में ही नहीं बल्कि महिलाएं कई प्रमुख कंपनियों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। आज के समय में महिलाएं प्रबंध निदेशक और सीईओ जैसे प्रमुख पदों पर आसीन हैं। वहीं भारत के सबसे धनी परिवारों में से एक की विरासत को संभालने में एक महिला का नाम आ गया है। बता दें कि इस महिला को कंपनी के बोर्ड में नियुक्त किया गया है। महिला 150 बिलियन अमेरिकी डॉलर की कंपनी की देखरेख करती है। ये महिला हैं 39 वर्षीय लिआ टाटा, जो नोएल टाटा की तीन संतानों में सबसे बड़ी हैं। लिआ का जन्म नोएल टाटा और आलू मिस्त्री के घर हुआ था। दोनों की व्यावसायिक पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखते हैं।

लिआ टाटा के बारे में जानें

लिआ की शैक्षिक पृष्ठभूमि बहुत प्रभावशाली है। उन्होंने मदीद के आईई बिजनेस स्कूल से मार्केटिंग में मास्टर्स की डिग्री पूरी की। उन्होंने 2010 में लुई वुइटन के साथ तीन महीने की इंटर्नशिप के दौरान व्यवसाय का अनुभव प्राप्त करना शुरू किया। उन्होंने भारतीय होटल उद्योग के लिए भी दस वर्षों तक काम किया, जहां उन्होंने नेतृत्वकारी पदों पर कार्य किया। लिआ ने अपना करियर 2006 में ताज होटल्स रिसॉर्ट्स एंड पैलेसेस में सहायक बिक्री प्रबंधक के रूप में शुरू किया था। उनकी निष्ठा ने उन्हें विकास में सहायक प्रबंधक के पद पर पदोन्नत किया।

टाटा मेडिकल सेंटर ट्रस्ट द्वारा ट्रस्टीशिप

लीह, माया और नेविल की तिकड़ी को टाटा मेडिकल सेंटर ट्रस्ट (ज्डब्ज) द्वारा ट्रस्टीशिप दी गई, जो कोलकाता के एक प्रसिद्ध कैंसर अस्पताल के संचालन की देखरेख करने वाली संस्था है। इस प्रतिष्ठान का उद्घाटन मई 2011 में रतन टाटा ने किया था। यह टीएमसीटी का ही एक विचार है, जो 2005 में अस्तित्व में आया था। इंडिया टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी के प्रमुख फाउंडेशन सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट ने उदारतापूर्वक टीएमसीटी को 500 करोड़ रुपये का दान दिया। 39 वर्ष की आयु में वे सार्वजनिक सेवा ट्रस्ट सहित पांच प्रमुख ट्रस्टों के ट्रस्टी के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। यह जानना दिलचस्प है कि ये ट्रस्ट टाटा संस में प्रमुख हितधारक हैं, जो प्रसिद्ध टाटा समूह के लिए एक छत्र संगठन के रूप में काम करता है। यह जानना दिलचस्प है कि ये ट्रस्ट टाटा संस में प्रमुख हितधारक हैं, जो प्रसिद्ध टाटा समूह के लिए एक छत्र संगठन के रूप में काम करता है। टाटा परिवार से जुड़े होने के कारण, रतन टाटा के छोटे भाई नोएल टाटा भी प्रमुख भूमिकाएं निभाते हैं, जैसे कि ट्रेंट और वोल्टास जैसी विभिन्न टाटा कंपनियों के अध्यक्ष, और साथ ही टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टी के रूप में भी कार्य करते हैं।

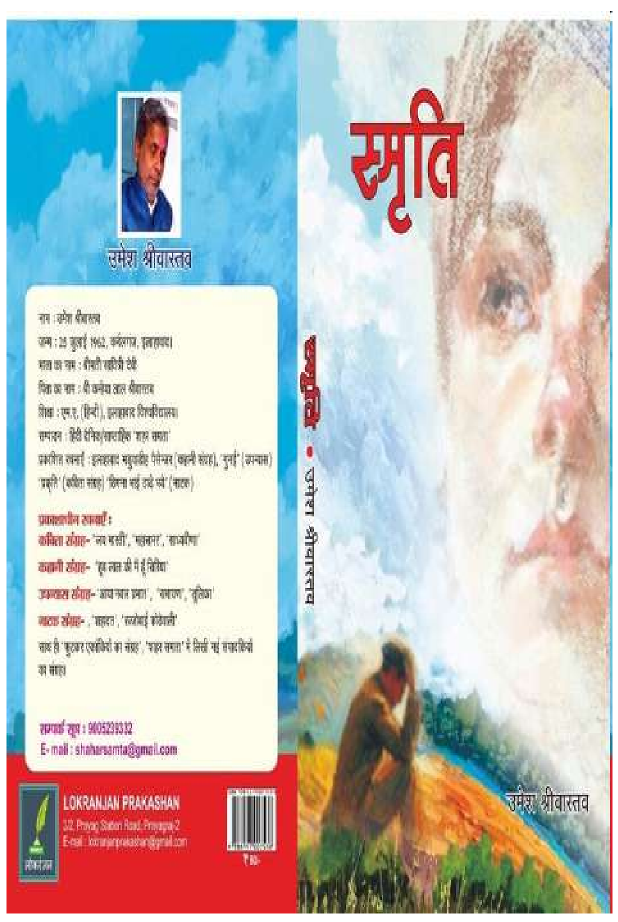

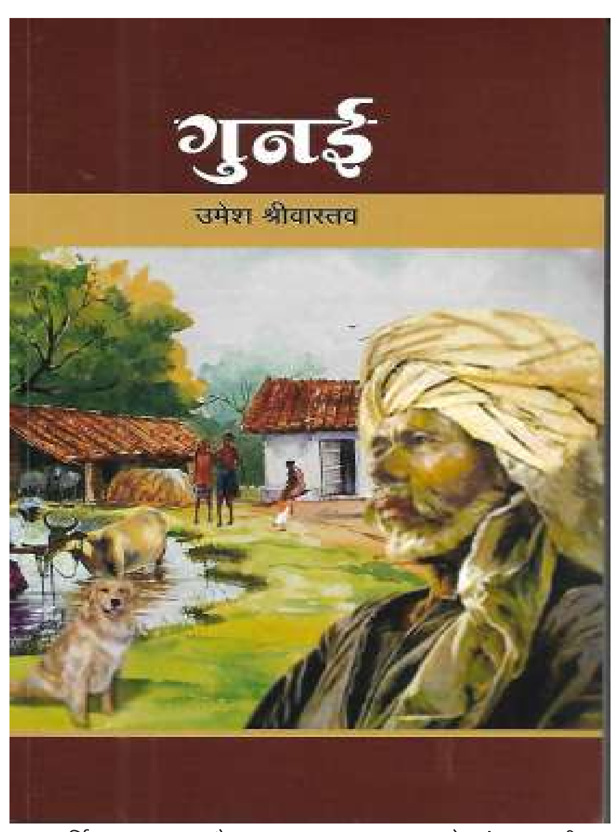

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

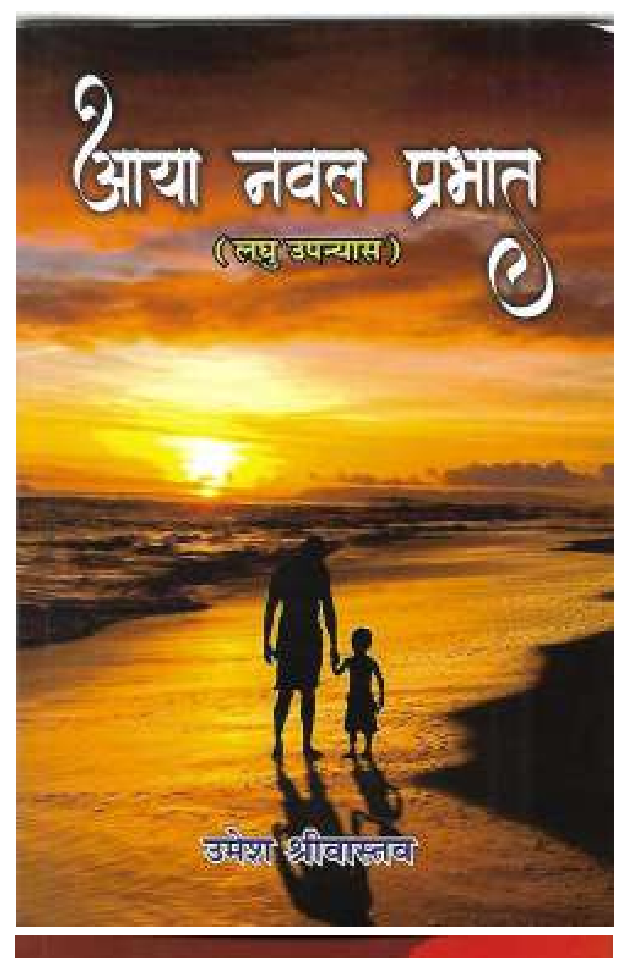

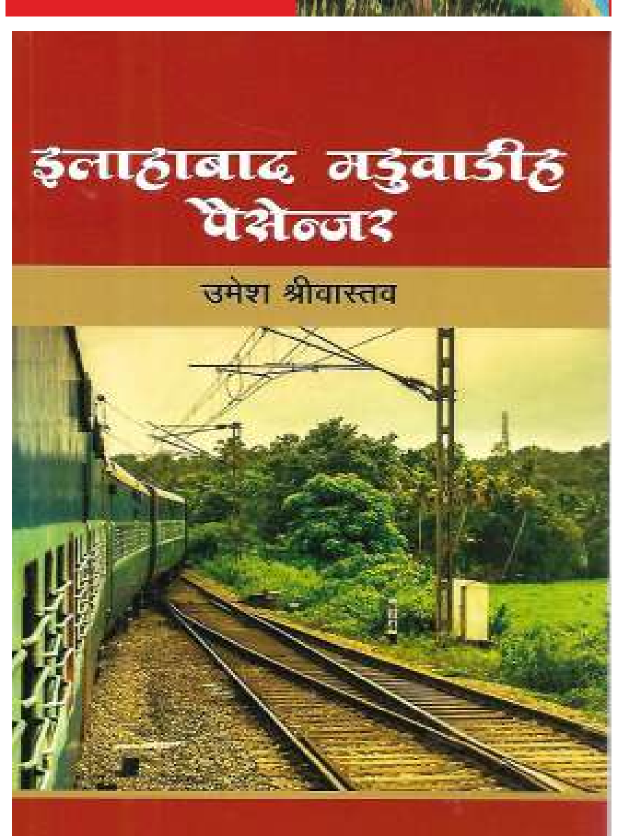

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

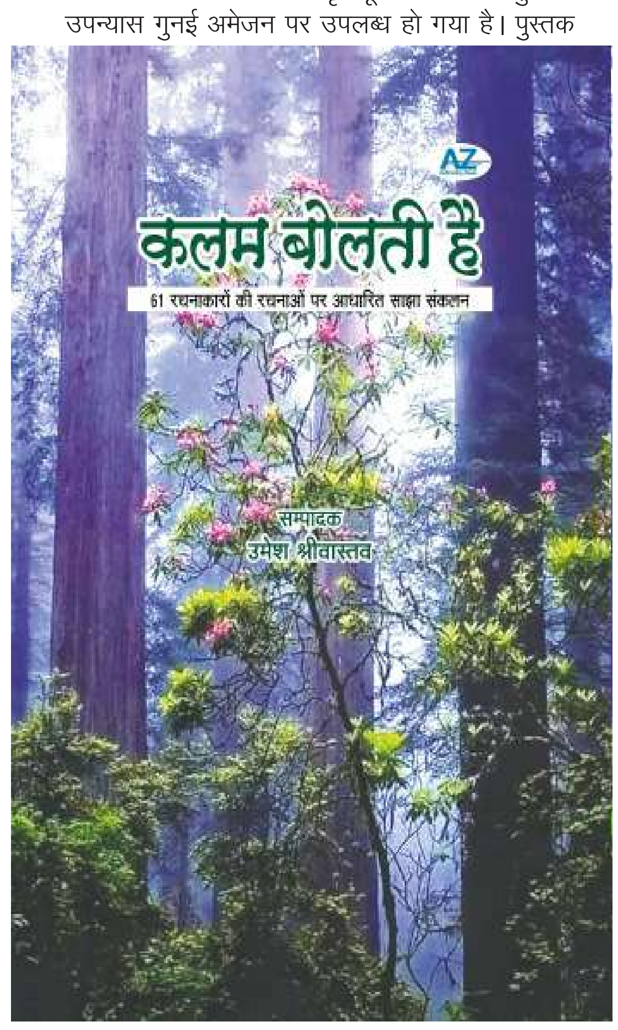

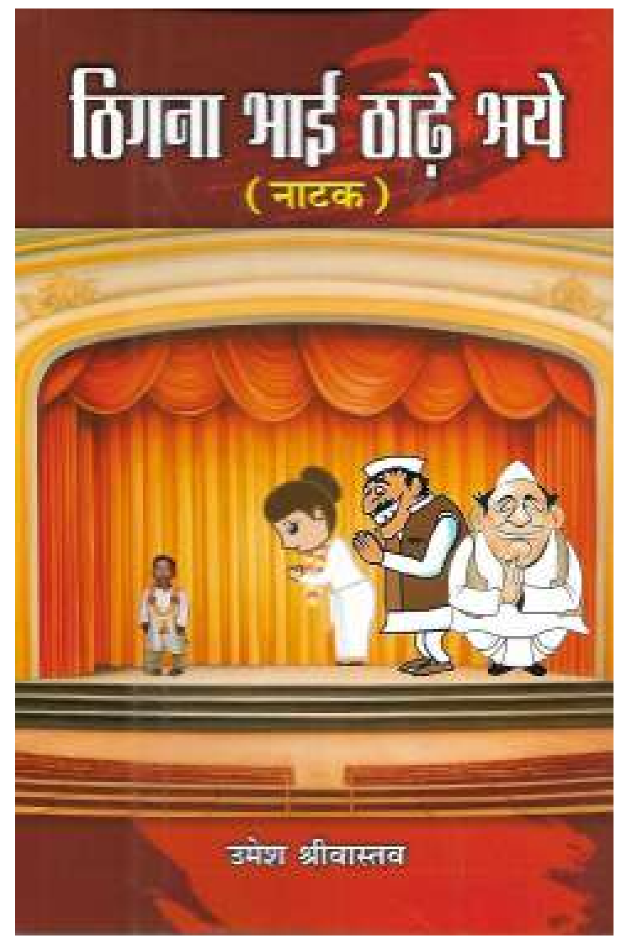

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

बहुत अच्छी मुलाकात...पीएम मोदी से मिलकर खुश हुए चीनपरस्त नेपाल के प्रधानमंत्री ओली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के इतर लोटे न्यूयॉर्क पैलेस होटल में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस साल जुलाई में केपी शर्मा ओली के तीसरी बार नेपाल के प्रधानमंत्री बनने के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली मुलाकात थी। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने एक्स अकाउंट पर केपी शर्मा ओली के साथ तस्वीरें

शेयर करते हुए कहा कि भारत–नेपाल मित्रता बहुत मजबूत है और हम अपने संबंधों को और भी गति देने के लिए तत्पर हैं। हमारी बातचीत ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और व्यापार जैसे मुद्दों पर केंद्रित रही। न्यूयॉर्क में प्रधानमंत्री मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद केपी शर्मा ओली ने कहा किबैठक बहुत अच्छी रही। गौरतलब है कि भारतीय प्रधानमंत्री मई 2014 से अब तक पांच बार नेपाल का दौरा कर चुके हैं। पड़ोसी देश की उनकी सबसे हालिया यात्रा 2022 में बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर हुई थी। पीएम मोदी ने फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की, जिसका एक वीडियो ऑनलाइन सामने आया है जिसमें दोनों नेताओं को एक–दूसरे को गले लगाते हुए दिखाया गया है। विदेश मंत्रालय के 'एक्स' पर आधिकारिक अकाउंट में साझा की गई पोस् में लिखा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने निकट मित्रता को और गहरा करते हुए यूएनजीए के इतर नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली से आज मुलाकात की। इसमें कहा गया, दोनों नेताओं ने सदियों पुरानी, घ्बहुआयामी और विस्तारित साझेदारी के तहत सभी क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए आपसी हित के मामलों पर चर्चा की।

अगर हारा, तो 2024 का चुनाव मेरा आखिरी चुनावी मुकाबला होगा : ट्रंप

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि अगर वह 2024 में व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक कार्यालय और आवास) में वापसी करने में नाकाम रहते हैं तो उन्हें ''नहीं लगता'' कि वह 2028 में राष्ट्रपति पद के लिए दोबारा चुनाव लड़ेंगे। जब पत्रकार शेरिल एटकिसन ने ट्रंप से फिर से राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, ''नहीं, मैं (चुनाव नहीं) लड़ पाऊंगा।'' ट्रंप की यह टिप्पणी इसलिए उल्लेखनीय है क्योंकि उन्होंने

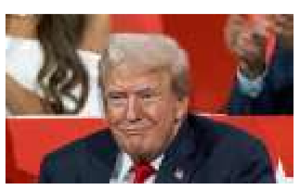

'व्हाइट हाउस' के लिए चौथी बार दावेदारी की संभावना को खारिज कर दिया है और वह कभी इस संभावना को स्वीकार नहीं करते हैं कि वह वैध रूप से चुनाव हार सकते हैं। ट्रंप आम तौर पर इसी बात पर जोर देते हैं कि ऐसा (चुनाव में उनकी हार) तभी हो सकता है जब व्यापक पैमाने पर धोखाधड़ी हुई हो। इससे पहले 2020 के चुनाव में भी उन्होंने यही आरोप लगाए थे और 2024 के राष्ट्रपति पद के चुनाव प्रचार अभियान के दौरान वह प्रमुखता से इसे उठाते रहे हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन अभी 81 वर्ष के हैं और 2028 में ट्रंप की उम्र बाइडन की वर्तमान उम्र से एक वर्ष अधिक यानी 82 वर्ष होगी। बाइडन ने राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत जुलाई में ट्रंप के साथ बहस के दौरान अपने निराशाजनक प्रदर्शन के बाद चुनावी दौड़ से अपना नाम वापस ले लिया था।

स्वास्थ्य समस्याओं के कारण पोप फ्रांसिस ने रद्द की बेल्जियम–लक्जमबर्ग की यात्रा, फ्लू होने की आशंका

पोप फ्रांसिस की तबीयत खराब हो गई है। उनमें मामूली फ्लू जैसे लक्षण देखे गए। इसके बाद चिकित्सकों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी। अब उनके आगामी कई दौरे रद्द करने पड़ रहे हैं। वैटिकन के मुताबिक, खराब सेहत की वजह से पोप ने अपने कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। पोप फ्रांसिस गुरुवार को लक्जमबर्ग के लिए रवाना होने वाले थे और बाकी का समय वे बेल्जियम में बिताने वाले थे। रविवार को ब्रूसेल्स में एक सामुहिक प्रार्थना के बाद वे अपनी यात्रा का समापन करने वाले थे। 87 वर्षीय पोप फ्रांसिस कुछ समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। 13 सितंबर को एशिया के 11 दिवसीय यात्रा से लौटने के बाद से ही उनसे मिलने के लिए दर्शकों की भीड़ लगी है। यह उनका अबतक का सबसे लंबा दौरा था। होली सी प्रेस ऑफिस ने एक बयान जारी कर बताया कि फ्रांसिस को फ्लू होने का अनुमान है। पिछले साल जाड़े के दौरान पोप फ्रांसिस ब्रोंकाइटिस से जूझ रहे थे, जिसके कारण उन्हें दुबई का दौरा रद्द करना पड़ा था।

वेटिकन की तरह ही एक और अलग मुस्लिम देश बनेगा, महिलाओं को दी जाएगी पूरी आजादी

वैसे वेटिकन सिटी को दुनिया का सबसे छोटा देश माना जाता है। वेटिकन सिटी को एक देश का दर्जा प्राप्त है। इसी प्रकार एक मुस्लिम मौलवी ने भी देश बनाने की कोशिश की है, जहां पर मुस्लिमों के मामले डील कराएंगे। बता दें कि, यह देश अलबानिया की राजधानी तिराना में होगा। यह दुनिया का सबसे छोटा देश होगा।

अल्बानिया की पीएम ने क्या कहा?

संयुक्त राष्ट्र में बोलते हुए, राम ने बताया कि अल्बानिया, एक छोटा पश्चिमी बाल्कन देश, ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान यहूदी शरणार्थियों को नाजियों से बचाया और तीन साल पहले तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानों को आश्रय दिया। उन्होंने कहा, अल्बानियाई लोगों को दुनिया को मदर टेरेसा देने पर भी गर्व है जिन्होंने मानवता के प्रति प्रेम को मूर्त रूप दिया।'' उसने हमें बताया कि हम सभी बड़े काम नहीं कर सकते, लेकिन हम सभी बड़े प्यार से छोटे काम कर सकते हैं, उन्होंने कहा। संयम, सहिष्णुता और शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व के एक नए केंद्र के रूप में, हमारी राजधानी तिराना में एक संप्रभु राज्य में विश्व बेक्ताशी ऑर्डर को नियमों का समर्थन करने में यह हमारी प्रेरणा है। तिराना नाम से अलग मुल्क बनाने के कोशिश में जुटे मौलवी एडमंड ब्रहीमाज कहते हैं कि खुदा ने

किसी भी चीज को लेकर कभी भी रोक नहीं लगाई। इसलिए हमें दिमाग दिया है कि हम तय करें कि क्या करना है।

अल्बानिया की आबादी कितनी है

अल्बानिया की 2.4 मिलियन आबादी में लगभग 50प्रतिशत मुस्लिम हैं और बाकी आबादी कैथोलिक और रूढ़िवादी ईसाई और अन्य छोटे समुदाय हैं। यह देश अपने धार्मिक सद्भाव और सह–अस्तित्व के लिए जाना जाता है।

महिलाओं को मिलेगी आजादी

ईदी राम ने कहा कि हमें इस खजाने की रक्षा करनी जरुरी है, जिसका अर्थ धार्मिक सहिष्णुता से है और इसे कभी हल्के में नहीं लेना चाहिए। आगे उन्होंने कहा कि हम जो नया देश बनाने जा रहे हैं, वह पूर्वी तिराना में होगा। इसका मुल्क का साइज वेटिकन सिटी से भी एक चौथाई के बराबर होगा। इस देश में लोगों पर पाबंदिया नहीं होगी। अपने तरीके से जीने का मौका मिलेगा। वहीं, महिलाओं पर कोई बंदिशें नहीं होगी पूरी आजादी मिलेगी।

गलती से खुला रह गया माइक, मोदी बगल में बैठे थे, चीन के खिलाफ ये क्या बोल गए बाइडेन

अमेरिका में चल रहे क्वाड समिट में गलती से एक माइक खुला रह गया। वहां पीएम मोदी के पास ही बैठे अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चीन को लेकर धीरे से एक बात कही। उन्हें पता नहीं था कि माइक खुला रह गया है। वो बात माइक पर सबने सुन ली। सुनते ही पूरे हॉल में सनसनी फैल गई। ये बात अब पूरे सम्मेलन में चर्चा का विषय बनी हुई है। अमेरिका में क्वाड देशों का सम्मेलन बीते दिनों हुआ। ये चार देशों का ग्रुप है, इस ग्रुप में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत शामिल है। इसी की बैठक में भाग लेने के लिए पीएम मोदी अमेरिका की यात्रा पर हैं। क्वाड समिट में भारत के लिए अच्छी बात ये रही कि अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की गुस्ताखियों से निपटने के लिए भारत का लोहा माना। दक्षिण चीन सागर वाले इलाके को लेकर चीन का कई देशों से विवाद है। चीन इस क्षेत्र में वियतनाम, फिलिपींस, ब्रूनेई, मलेशिया और ताइवान

जैसे देशों के साथ उलझता रहा है। अमेरिका से भी इस मुद्दे को लेकर तल्खी हो चुकी है। इस इलाके में चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए भारत की भूमिका काफी अहम मानी जाती है। इन्हीं मुद्दों को लेकर बैठक में काफी चर्चा हुई। इसी बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कई महत्वपूर्ण बातें कहीं। इस समिट में बाइडेन ने क्वाड नेताओं से कहा कि हमारा मानना है कि शी जिनपिंग घरेलू आर्थिक चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं और चीन में अशांति को कम करना चाहते हैं। वहीं जब शिखर सम्मेलन खत्म हो गया और वहां से पत्रकार निकल रहे थे। तब जो बाइडेन को लगा कि माइक बंद है और उन्होंने धीमी आवाज में कहा कि चीन दक्षिण चीन सागर के इलाके में आक्रमक होता जा रहा है। इस समय माइक खुला हुआ था और सभी पत्रकारों ने बाइडेन की बात सुन ली। बाइडेन ने ये भी कहा कि चीन उनका इम्तिहान ले रहा है। ऐसी हरकतें कर रहा है जो हमारी परीक्षा लेने जैसा है। बाइडेन की बात जैसे ही माइक पर सुनी गई तुरंत ही वहां के अधिकारी हरकत में आ गए। अमेरिका के एक सीनियर प्रशासनिक अधिकारी ने इस गलती को ढकने के लिए कहा कि ये पहले तो कहा गया उसी लाइन पर है। मुझे नहीं लगता कि ये कोई आश्चर्य की बात है। हमारी मन की बात और जुबान बेमेल होती है।

गाजा की तबाही के बाद बेरूत पर चढ़ाई, वीडियो जारी कर इजरायल की चेतावनी, जितनी जल्दी हो दूर चले जाएं

इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) ने लेबनान में लोगों को तुरंत अपने घरों और अन्य इमारतों को छोड़ने की चेतावनी जारी कर दी है। ईरान समर्थित हिजबुल्लाह आतंकवादी समूह ने यहां हथियार जमा करके रखा हुआ है। आईडीएफ की तरफ से ये घोषणा इजरायल द्वारा लेबनान में इजरायल के ताबड़तोड़ हमले की कड़ी में पहली बार देखने को मिली है। इससे साफ पता चलता है कि इजरायल अब हिजबुल्ला के खिलाफ सीधी लड़ाई में उतरने के मूड में है। आधिकारिक एक्स हैंडल पर जारी बयान में आईडीएफ के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि हम लेबनान के गांवों के नागरिकों को सलाह देते हैं कि वे अपनी सुरक्षा के लिए तुरंत खतरे से दूर चले जाएं।

इजराइल के उत्तरी क्षेत्र में हिजबुल्ला ने दागे 100 रॉकेट

हिज्बुल्ला ने इजराइल के हालिया हमले में अपने एक शीर्ष कमांडर और कई लड़ाकों के मारे जाने के बाद बदले की कार्रवाई के तहत इजराइल के उत्तरी क्षेत्र को निशाना बनाकर 100 से अधिक रॉकेट, मिसाइल और ड्रोन दागे थे। हमलों और जवाबी हमलों के कारण व्यापक युद्ध छिड़ने की आशंका बढ़ गई है जबकि इजराइल की गाजा में फलस्तीनी हमास के खिलाफ लड़ाई जारी है और वह सात अक्टूबर के हमले में बंधक बनाए गए कई बंधकों की वापसी की कोशिश कर रहा है। हिज्बुल्ला ने ईरान समर्थित सहयोगी आतंकवादी समूह हमास और फलस्तीनियों के प्रति एकजुटता दर्शाने के लिए अपने हमलों को जारी रखने का संकल्प जताया है।

इजरायल ने जारी कर दी चेतावनी

लेबनान की मीडिया के अनुसार, अरबी में लिखे संदेश में कहा गया है कि अगर आप ऐसी इमारत में हैं जहां हिज्बुल्ला ने हथियार रखे हैं तो अगली सूचना तक उस गांव को छोड़कर चले जाइए। अभी यह तुरंत स्पष्ट नहीं है कि इजराइल के आदेश से कितने लोग प्रभावित हुए हैं। हालांकि सीमा के दोनों ओर के समुदाय लगभग हर दिन होने वाली गोलीबारी के कारण क्षेत्र को खाली कर चुके हैं। इजराइल ने हिज्बुल्ला पर दक्षिण में पूरे समुदायों को आतंकवादी ठिकानों में बदलने का आरोप लगाया है, जहां छिपे हुए रॉकेट लांचर और अन्य बुनियादी ढांचे हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

कमला ने तो कमाल ही कर दिया, न्यूयॉर्क में 27 मिलियन डॉलर का फंड जुटाया

अमेरिकी उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने न्यूयॉर्क शहर के एक फंड रेजिंग इवेंट में 27 मिलियन डॉलर जुटा लिए हैं। ये रकम डेमोक्रेटिक उम्मीदवारी कंफर्म होने के बाद से सबसे बड़ा फंड है। यह बड़ी रकम उनके

पिछले रिकॉर्ड को पार कर गई है और पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार 78 वर्षीय डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ चल रहे राष्ट्रपति अभियान में उनकी वित्तीय ताकत को रेखांकित करती है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव 5 नवंबर को होने वाला है। इस तारीख में अब सिर्फ़ 43 दिन बचे हैं। 5 नवंबर को अमेरिकी मतदाता अपना अगला राष्ट्रपति चुनेंगे। जुलाई में राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा राष्ट्रपति पद की दौड़ से हटने के बाद हैरिस ने डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से मोर्चा संभाला और ट्रंप को कड़ी टक्कर देती नजर आ रही हैं। ये इवेंट सिप्रियानी वॉल स्ट्रीट में आयोजित किया गया था। इसमें भारी भीड़ उमड़ी थी। ट्रंप ने कमला हैरिस के खिलाफ दूसरी बहस करने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में मतदान शुरू हो चुका है इसलिए देर हो चुकी है। 5 नवंबर को चुनाव होने वाले हैं। हैरिस के अभियान ने कहा कि कमला ने बहस में भाग लेने के लिए सीएनएन के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। एसोसिएटेड प्रेस–एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च' के एक नए सर्वेक्षण के अनुसार, जब कमला हैरिस जुलाई 2024 में राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ में शामिल हुई थीं तब के मुकाबले अब उन्हें मतदाताओं का ज्यादा समर्थन मिलता दिख रहा है। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस को अब नकारात्मक की बजाय सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं जबकि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रेटिंग इस सर्वेक्षण में स्थिर रही, हालांकि यह सर्वेक्षण रविवार को फ्लोरिडा में डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश की घटना से पहले किया गया है।

इस्राइली सेना ने लेबनान में 300 से अधिक ठिकानों पर हमला किया, हिज्बुल्ला पर दबाव

इस्राइल और लेबनान के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। हिज्बुल्ला पर दबाव बनाने के लिए इस्राइल ने लेबनान के 300 ठिकानों पर हमला किया है। इस्राइली सेना की ओर यह दावा किया गया है। हालांकि अब तक लेबनान और हिज्बुल्ला की ओर से हमलों को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। गाजा युद्ध का दंश झले रहे पश्चिम एशिया के एक और मोर्चे पर वार–पलटवार तेज हो गया है। लेबनान समर्थक हिजबुल्ला और इस्राइल के बीच तनातनी चरम पर है। दोनों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चेतावनियों को दरकिनार कर एक दूसरे की सीमा पर हमला तेज करने की धमकी दी है।

पाकिस्तान में 12 देशों के राजदूतों पर भयंकर हमला! हिल गई दुनिया

क्या पाकिस्तान का भविष्य सिर्फ और सिर्फ आतंकवाद है। क्या पाकिस्तान अपने ही लोगों की सुरक्षा करने में नाकाम हो चुका है? ऐसे सवाल एक घटना के बाद उठने लगे हैं, जिसने पूरी दुनिया को हैरान करके रख दिया है। उत्तर पश्चिम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनवा प्रांत में विदेशी राजनयिकों के काफिले पर जोरदार आतंकी हमला हुआ है। आतंकियों ने काफिले के सबसे आगे चल रहे स्कॉउट पुलिस वाहन को निशाना बनाया। इस बर्बर हमले में एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया और तीन घायल हो गए। ये हमला उस वक्त हुआ जब राजनयिक कार्यक्रम से लौट रहे थे। आतंकियों का निशाना पाकिस्तान का सुरक्षा तंत्र था। लेकिन हैरान करने वाली बात है कि ये सब उस देश में हो रहा है, जो आतंकवाद का सबसे बड़ा समर्थक है। पाकिस्तान में आतंकवाद कोई नई बात नहीं है। दशकों से ये देश आतंकवादियों का सुरक्षित पनाहगार बना हुआ है। दरअसल, पाकिस्तान में आतंकवादी खुदको सरकार से भी ज्यादा सुरक्षित महसूस करते हैं। पाकिस्तान की धरती पर आतंकी संगठनों की जड़े इतनी गहरे हैं कि लोग भी वहां खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करते हैं। अब तो वहां विदेशी राजनयिक भी महफूज नहीं है। पुलिस के एक

अधिकारी ने बताया कि यह धमाका रिमोट के जरिए किया गया और काफिला इस्लामाबाद से स्वात जिले के खूबसूरत पहाड़ी इलाके मालम जब्बा की ओर जा रहा था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सभी राजनयिक सुरक्षित हैं। काफिले में रूस, वियतनाम, बोस्निया एवं हर्जेगोविना, इथियोपिया, रवांडा, जिम्बाब्वे, इंडोनेशिया, उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, कजाकिस्तान और पुर्तगाल के राजनयिक शामिल थे। पुलिस अधिकारी ने कहा, सभी राजनयिक पूरी तरह सुरक्षित हैं। विस्फोटक उपकरण से सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात पुलिस के काफिले को निशाना बनाया गया। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि तीनों घायल पुलिसकर्मियों की हालत गंभीर है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंदापुर ने विस्फोट की निंदा की और कहा कि हम आतंक के खिलाफ युद्ध में अपने बहादुर पुलिस बल के अतुलनीय बलिदान के लिए उन्हें सलाम करते हैं। उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। स्वात जिला 2009 में उग्रवाद के दौर में तालिबान उग्रवाद का गढ़ बना रहा। जिले में बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान के बाद उग्रवादियों को खदेड़ दिया गया और अधिकांश उग्रवादी पड़ोसी अफगानिस्तान भाग गए। उग्रवाद के दौरान स्थानीय लोगों का देश के अन्य हिस्सों में पलायन हुआ था, हालांकि, पांच महीने के अभियान के बाद, लोग स्वात जिले में अपने मूल क्षेत्रों में लौट आए।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।